हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, मंगलवार, 23 जुलाई 2024

तापमान

अधिकतम 28.2 डिग्री

न्यूनतम 21.0 डिग्री

1.1 गुरु पवित्रता, शांति, स्नेह एवं ज्ञान के साक्षात मूर्ति होते हैं: ललित

1.1 विनायकपुर के अंधे मोड़ व जर्जर सड़क दे रहे दुर्घटना को न्यौता, तमाशबीन बने जिम्मेदार

श्री शंकराचार्य
कॉलेज ऑफ नर्सिंग
हुडको, भिलाई (छ.ग.)
(2005 से संचालित)
नर्सिंग
B.Sc.(N)
M.Sc.(N) | P.B.B.Sc.(N)
7489713804, 9926129192
For Online Admission
Visit : www.sscnbhilai.com

खबर संक्षेप

सांसद बघेल आज से दिल्ली प्रवास पर

भिलाई। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल 22 जुलाई से 12 अगस्त तक नई दिल्ली प्रवास पर रहेंगे और इस दौरान संसद के मानसून सत्र में शामिल होंगे. वे इसके चलते इस अवधि में यहां आम लोगों से मुलाकात नहीं कर सकेंगे. संसद का मानसून सत्र चल 22 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और मानसून सत्र में इस बार सालाना केंद्रीय बजट भी प्रस्तुत होगा तथा वहां और भी कई महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत होने वाले हैं। लोकसभा के इस सत्र में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट प्रस्तुत करेंगी। उनसे मिलने वालों लोगों की प्रतिदिन भारी भीड़ लग रही है। लोकसभा क्षेत्र के कोने-कोने से प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम लोग उनसे मिलने पहुंचते हैं। उनके दिल्ली प्रवास पर रहने की वजह से लोगों से मुलाकात नहीं हो सकेगी।

बारिश : शिवनाथ एनीकट से 6 फीट ऊपर बह रहा है पानी

सावन के पहले दिन ही दिनभर झड़ी शिवनाथ में 20 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सावन के पहले ही दिन सोमवार को पूरे दिन झड़ी लगी रही। लंबे इंतजार के बाद हुई इस बारिश से किसानों सहित आमजन को भारी राहत मिली है। खेतों में पर्याप्त पानी भरने लगा है। किसान खेतों में रोपाई करना भी शुरू कर दिए हैं। रोपा सिस्टम से धान लगाने का क्रम तेजी से करने लगे हैं। आमजनों को उमसभरी गर्मी से राहत पहुंची है। इधर शिवनाथ नदी में मोंगरा बैराज से 10 हजार क्यूसेक और पानी छोड़ा गया। जिसकी वजह से शिवनाथ नदी में स्थित महमरा एनीकट 6 फीट ऊपर चल रहा है।

20 हजार क्यूसेक पानी से नदी ऊफान पर

मोंगरा बैराज राजनांदगांव जिले में हैं। यहां मोहला-मानपुर की तरफ से भारी मात्रा में पानी मोंगरा बैराज पहुंचता है। बैराज का पानी छोड़ने पर यह सीधे शिवनाथ नदी दुर्ग में आता है। जिसकी वजह से शिवनाथ नदी ऊफान पर आता है। शिवनाथ नदी में तीन दिन पहले 36 हजार क्यूसेक पानी मोंगरा बैराज से आया था। जिसमें से 10 हजार पानी ही नदी में इन दिनों है। 10 हजार क्यूसेक पानी सोमवार को और छोड़ा गया। इस तरह कुल 20 हजार क्यूसेक पानी शिवनाथ नदी में हैं।

इन निचली बस्तियों में नालियां जाम

भिलाई-दुर्ग की निचली बस्तियों में पानी भरने का खतरा मंडराने लगा है। पूरे दिन की लगातार बारिश से निचली बस्तियों की निकासी नालियां उफान पर आ गई है। नालियों जाम होने की वजह से पानी गलियों में भर आया है। हालात को देखते हुए नगर निगमों ने एलर्ट जारी किया गया है। रिसाली निगम की मरोदा, नेवई क्षेत्र के अलावा प्राइवेट कालोनियों में निकासी की समस्या है। भिलाई निगम के अंतर्गत, सुपेला, छावनी, बैकुंठधाम, कैंप क्षेत्र, रामनगर क्षेत्र में निकासी नालियां जाम की स्थिति में है। दुर्ग निगम के अंतर्गत शंकरनगर, बोरसी, बोरसी माठा, कैलाश नगर, कांदबरी नगर, जयंती नगर, विद्युतनगर बोरसी, पद्मनाभपुर, सिविललाइन, गयानगर, बघेरा, गिरधारीनगर आदि क्षेत्रों में पानी भरने की स्थिति निर्मित हो गई है। तीनों नगर निगमों ने श्रमिक बस्तियों में एलर्ट जारी किया है। कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं।

भिलाई निगम ने बनाया कंट्रोल रूम

पिछले दो दिनों की हो रही लगातार बारिश से निचली बस्तियों में पानी भरने का खतरा मंडराने लगा है। हालात को देखते हुए भिलाई निगम ने पांचों जोन में कंट्रोल रूम स्थापित कर दी है। इन कंट्रोल रूम में फोन कर लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। राजदीप वैष्णव मोबाइल नंबर 9039136979, भिलाल साहू मोबाइल नंबर 911681708, उमेश कोरी 8839022648, दिलीप हुमने 8234018349, उमाशंकर 9981890447, टुमनलाल साहू 6266620379 पर कॉल कर सकते हैं।

जिले में अब तक 247.4 मिमी औसत वर्षा

जिले में 1 जून से 22 जुलाई तक 247.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 433.5 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 154.9 मिमी बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 217.2 मिमी, तहसील धमधा में 182.1 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 216.2 मिमी और तहसील अहिवारा में 280.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 22 जुलाई को तहसील दुर्ग में 33.4 मिमी, तहसील धमधा में 11.0 मिमी, तहसील पाटन में 42.2 मिमी, तहसील बोरी में 16.0 मिमी, भिलाई 3 में 19.4 मिमी और तहसील अहिवारा में 22.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

ईंट भट्टा डूबा उफान से

शिवनाथ नदी किनारे संचालित ईंट भट्टा उफान से डूब गए है। यहां कार्य कर रहे श्रमिकों को एहतियातन वहां से बाहर निकाल दिया गया है। ईंट भट्टे का कार्य भी शिवनाथ नदी में उफान की वजह से बंद हो गया है। आसपास करीब दर्जन भर ईंट भट्टे संचालित हो रहे थे।

आज भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने दुर्ग जिले में मंगलवार को भारी बारिश की चेतावनी दी है। पिछले दो दिनों से हो रहे लगातार बारिश से किसानों की उम्मीदें और बढ़ी है। सूखे के हालात से काफी हद तक राहत मिली है। किसानों के साथ ही जिला प्रशासन भी राहत की सांस ली है। जलाशयों में भी पानी का स्टोरेज बढ़ा है। तांदुला जलाशय से दुर्ग जिले में पानी मिलता है।

दुर्ग न्यायालय का फैसला

मासूम से अनाचार, युवक को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सात वर्षीय बच्ची के साथ अनाचार करने वाले आरोपी को न्यायालय दुर्ग ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मिली जानकारी के मुताबिक अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती संगीता नवीन तिवारी की न्यायालय ने आरोपी को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 6 के तहत आजीवन कारावास, 5000 रुपए अर्थदंड, अर्थ दंड न पटाने पर एक वर्ष के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक संतोष कसार ने पैरवी की। घटना थाना नंदनी नगर की है जहां 15 फरवरी 2023 को बच्ची स्कूल जाने के लिए सुबह तैयार हो रही थी। इस दौरान बच्ची की मां मनरेगा के गोदी काम करने के लिए चली गई थी। घर में बड़ी बेटी, छोटी बेटी और जेठ थे। तब बच्ची सुबह स्कूल जा रही थी। इस दौरान पड़ोसी आरोपी ग्राम खेलीडीह थाना नंदिनी निवासी अमन कुमार विश्वकर्मा बच्ची को बहला फुसला कर अपने घर लेकर गया। जहां बच्ची के साथ गलत हरकत किया।

सस्ता सस्ता सस्ता
न्यू ओम ज्वेलर्स
शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध
जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री
916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने
अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध
आज ही पधारें
★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
★ टोटल हाल मार्क जेवर
★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री
★ रिपेयरिंग फ्री
शर्तें लागू
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

श्री शिवाय नमस्तुभ्यं
श्री शिव महापुराण कथा
सस्नेह निमंत्रण
दिनांक: 25 जुलाई से 31 जुलाई
समय: दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक
दिनांक : 24 जुलाई, बुधवार
समय : 10 बजे से
स्थल: गणेश मंदिर सेक्टर 5 से प्रारंभ होकर जयंती स्टेडियम भिलाई में समापन
कलश यात्रा
सुप्रसिद्ध कथा व्यास
पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जी
(सीहोर वाले)
माताओं बहनों से अनुरोध है कि कलश लेकर आएं और समय का विशेष ध्यान रखें।
दया सिंह
पार्षद, उपनेता प्रतिपक्ष
नगर निगम, भिलाई
प्रदेश अध्यक्ष - बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति, भिलाई

खबर संक्षेप

डॉक्टरों के लिए किया गया कांफ्रेंस का आयोजन

दुर्ग। एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल द्वारा आईएमए दुर्ग के डॉक्टरों के लिए कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एमएमआई से कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ देवरत्त हिशिकर और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ स्नेहिल गोस्वामी द्वारा उनकी विशेषता से जुड़ी चिकित्सा क्षेत्र में इलाज करने के नए तरीकों को संज्ञान में लिया। आईएमए दुर्ग के अध्यक्ष डॉ राजू भैसारे एवं सेक्रेटरी डॉ संतोष नशीने का कार्यक्रम में योगदान रहा। आईएमए के डॉ अजय गोवर्धन, डॉ अहमद हमदनी, डॉ सुधीर शुक्ला, डॉ शरद पाटनकर, डॉ अजय दानी, डॉ सूर्या प्रताप सक्सेना एवं डॉ जेपी मेश्राम आदि उपस्थित थे।

पद्म पुरस्कारों के लिए आवेदन 15 सितम्बर तक

दुर्ग। भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा पद्म पुरस्कार की श्रृंखला में पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्मश्री पुरस्कारों के लिए वर्ष 2025 हेतु नामांकन प्रस्ताव 15 सितम्बर 2024 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित की गई है। पुरस्कार के लिए नामांकित प्रस्ताव विभाग के माध्यम से सामान्य प्रशासन विभाग को 30 सितम्बर तक आवेदन प्रेषित किये जाने के निर्देश है। पद्म विभूषण, पद्म भूषण एवं पद्मश्री नामांकन प्रस्ताव संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण छग रायपुर में 15 सितम्बर तक प्रेषित किये जाएंगे।

श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए आज होंगे रवाना

दुर्ग। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत दुर्ग संभाग और बस्तर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को निःशुल्क यात्रा कराई जाएगी। तीर्थयात्रियों का दल 23 जुलाई को दुर्ग रेल्वे स्टेशन से दोपहर 12 बजे स्पेशल ट्रेन से श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए रवाना होगा। समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक अमित सिंह परिहार ने बताया कि रामलला दर्शन पश्चात तीर्थयात्रियों का दल 26 जून को मध्य रात्रि स्पेशल ट्रेन से ही दुर्ग वापस पहुंचेगी। तीर्थ यात्रा में दुर्ग जिले के 185 श्रद्धालु जिसमें 139 ग्रामीण एवं 46 श्रद्धालु शहरी क्षेत्र से शामिल किए गए है। दुर्ग रेल्वे स्टेशन में 23 जुलाई को दोपहर 12 बजे जन प्रतिनिधियों द्वारा स्पेशल ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 में आम जनता भी दे सकेगी राय

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

आगामी 2047 में देश को आजाद हुए सौ साल हो जाएगा। जिसे लेकर केन्द्र सरकार द्वारा 2047 को अमृतकाल घोषित किए जाने के साथ ही छग विजन डाक्यूमेंट तैयार करने के निर्देश दिए है। केन्द्र के निर्देश के बाद जिला प्रशासन सभी विभागों में प्लान तैयार करने के निर्देश विभाग अधिकारी और जनप्रतिनिधियों का भी सुझाव लिए जाने कहा है। इस अमृतकाल के प्लान में आम जनता भी अपना राय दे सकेगें। इसके लिए प्रशासन ने क्यूआर कोड और लिंक भी जारी किया है।

प्लान तीन चरणों को ध्यान में रखकर तैयार किया जाएगा। ऐसे लघु काल 5 साल, मध्यम 10 साल और दीर्घ काल 25 वर्ष के विकास कामों का विजन डाक्यूमेंट तैयार करना है।

छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश को विकसीत प्रदेश बनाने के लिए 'अमृतकालः छत्तीसगढ़ विजन @ 2047' योजना लॉच कर रही है। इसके तहत गांव से लेकर शहर और जिला स्तर पर जिले के विकास को लेकर क्या काम किए जा सकते हैं। इस दूरदर्शिता के साथ योजना तैयार करना है। जिसके तहत उपसंचालक जिला योजना एवं सांख्यिकी दुर्ग ने निकायों को पत्र जारी किया। सभी को विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के निर्देश दिए है। इस विषय को लेकर 11 जुलाई को राज्य नीति आयोग के चीप सेक्रेटरी ऑनलाइन मीटिंग ले चुके है।

जिले के विकास के लिए 5, 10 और 25 साल के विजन तैयार करेंगे

जिला स्तरीय समिति का भी गठन

राज्य नीति आयोग द्वारा 'अमृतकालः छत्तीसगढ़ विजन @ 2047' संबंधित विजन डॉक्यूमेंट बनाने जिले के विभिन्न सेक्टरों, संभावनाएं, फोकस एरिया एवं लघु, मध्यम व दीर्घकाल एक्शन पाइंट का चिन्हांकन करने जिला स्तरीय समिति बनाया गया है। जिसके अध्यक्ष कलेक्टर है। 20 सदस्य है, जिसमें पुलिस अधीक्षक, निकायों के आयुक्त व सीएमओ, सीएमएचओ, डीएफओ, पीएचई, पीडब्ल्यूडी, जल संसाधन, कृषि, उद्योग, आदिम जाति विकास, डीईओ, महिला एवं बाल विकास, जिला रोजगार, खाद्य, समाज कल्याण, क्रेडा, विद्युत कंपनी, नगर तथा ग्राम निवेश, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, खनिज अधिकारी है। संयोजक सीईओ जिला पंचायत और सह संयोजक जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी है।

शहर विकास के लिए मांगे आइडिया-प्लान

शहर व गांवों, जिला व प्रदेश को विकसित बनाने के लिए शासन व अफसरों को क्या काम करना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य व मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए व अन्य विषयों पर क्या काम किया सकता है। इस पर आम नागरिक भी अपना डाइडिया-प्लान बनाकर जिला प्रशासन को दे सकते हैं। इसके एक जिला प्रशासन ने ऑनलाइन लिंक और क्यूआर कोर्ड जारी किया है। जिस पर आम नागरिक भी अपने सुझाव भेज सकते है। स्वस्थ्य छत्तीसगढ़, सुखी छत्तीसगढ़, फ्यूचर रेडी, प्रतिभाशाली छत्तीसगढ़, स्थायी समुदाय, सतत उत्पादन और उपभोग, कला और संस्कृति की नई पहचान, सुपरफूड्स शक्ति, उद्योग की नई परिभाषा, प्राकृतिक औष्द्यालय, स्थानीय उत्पाद, वैश्विक पहचान, आई का नया घर, प्रकृति से संस्कृति तक, जुड़ता छत्तीसगढ़ बढ़ता छत्तीसगढ़, सरल और सुरक्षित छत्तीसगढ़ विषय पर भी काम करना है। सभी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा देने से लेकर सहित अन्य शामिल हैं।

संक्रमण: धमधा और अहिवारा में डायरिया के लगातार मिल रहे

बारिश के साथ ही जिले में उल्टी-दस्त के बढ़े मरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

डायरिया के मरीजों की संख्या जिले में लगातार बढती जा रही है। अब तक धमधा, अहिवारा और मेडेसरा के अस्पताल में ढाई सौ से अधिक डायरिया के पीडित सामने आए है। यहां ग्रामीण सहित शहरीय इलाको में भी दो सौ से अधिक मरीज डायरिया से पीडित है। हांलाकि इलाज के बाद मरीजों को छुट्टी दी जा रही है। लेकिन आधा दर्जन से अधिक मरीजों को रिफर भी किया गया है।

मिली जानकारी अनुसार धमधा, अहिवारा और मेडिसरा शहरीय इलाको में अब तक 213 मरीज उल्टी दस्त के चलते पिछले पांच दिनों में ओपीडी में जांच कराने पहुंचे। इसमें से सरकारी अस्पताल में 79 मरीज और निजी अस्पताल में 13 मरीजों को भर्ती कराया गया है। जबकि 42 सरकारी और निजी से 7 मरीज को छुट्टी भी दे दी गई है। वहीं अभी भी 33 मरीज सरकारी और चार मरीजों का प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा हैं। जबकि छः मरीजों को यहां रेफर किया गया है। उल्लेखनीय हैं कि, बारिश के साथ ही संक्रमण का खतरा बढने लगा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को एहतियाद बरतने के लिए पेयजल उबालकर पीने, ताजा भोजन, सडी सब्जी नही खाने और सूखी मछली से दूर रहने की सलाह दी जा रही है। जिला सर्विलेंस आडीएससी अधिकारी डां सीबीएस बंजारे ने बताया कि, गांव में उल्टी दस्त के मरीजों को क्लोरिन टेबलेट का वितरण किया जा रहा है। वही पानी में ब्लीचिंग पाउडर में डालने की सलाह दी जा रही है। वही ओआरएस घोल का भी प्रभावित घरों में वितरण किया जा रहा है।

खास बातें

- धमधा, अहिवारा में लगातार मिल रहे डायरिया के मरीज
- स्वास्थ्य विभाग गांव में डोर टू डोर दवाइयों कर रहा वितरित

स्वास्थ्य विभाग का दावा: गांव में स्थिति सामान्य

धमधा में ज्यादा मिल रहे डायरिया के मरीज

जानकारी अनुसार 18 से 22 जुलाई तक धमधा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के ओपीडी में उल्टी दस्त के 111 मरीज सामने आए। इसमें चौदह सरकारी और ग्यारह मरीजो को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही पांच मरीजों को यहां से हायर इलाज के लिए रिफर किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अहिवारा में बीस से बाईस जुलाई तक 87 मरीज ओपीडी में आए, जिसमें 45 मरीजों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से एक मरीज को रिफर किया गया। इसके आलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मेडेसरा में 21 और 22 जुलाई को सत्तर मरीज ओपीडी में पहुंचे। जहां सरकारी में चौदह और निजी में दो मरीज भर्ती है।

जिला अस्पताल में भी रोजाना तीस मरीज

सीएस हेमंत साहु ने बताया कि, उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या बारिश के बाद सामने आ रहे है। उन्होने बताया कि, रोजाना ओपीडी में मरीजों का संख्या 12 सौ के करीब है। जिसमें तीस से चालीस मरीज रोज उल्टी दस्त से प्रभावित है। जिनका इलाज किया जा रहा है। वही गंभीर मरीजों को भर्ती कराया जा रहा है। उनका कहना है कि, डायरिया के मरीजों को खासतौर पर खानपीन पर ध्यान देने की सलाह दी जा रही है।

घरों में पहुंच रहा मटमैला पानी

प्रभावित अहिवारा नगरपालिका में मटमैली पानी का पिछले लंबे समय से सप्लाई किए जाने की बात सामने आ रही है। जिसके चलते यहां डायरिया के लगातार मरीज मिल रहे है। हांलाकि यहां पानी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया है। जिला सर्विलेंस अधिकारी डां सीबीएस बंजारे का कहना है कि, अभी सभी जगह स्थिति सामान्य है। स्वास्थ्य अमले को मैदानी स्तर पर एलर्ट रहने के निर्देश दिए है। उन्होने बताया कि, घरों में दवाईयों का नियमित वितरण किया जा रहा है।

स्थिति सामान्य

जिले में धमधा, अहिवारा और मेडेसरा के ग्रामीण और शहरीय इलाको में डायरिया के मरीज मिले है। लगातार दवाईयों का वितरण किया जा रहा है। इलाज के बाद कई मरीज को छुट्टी भी दी गई है। स्थिति सामान्य है।
डां सीबीएस बंजारे, आईडीएससी विभाग, दुर्ग

नगपुरा के लोगों ने कलेक्टर जनदर्शन में मांगे शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

ग्राम पंचायत नगपुरा के सरपंच ने शिक्षक की मांग की। बच्चों के भविष्य को देखते हुए उन्होंने ग्राम नगपुरा में स्थित दो प्राथमिक शालों में शिक्षक के लिए आवेदन दिया, ताकि पढ़ाई सुचारू रूप से संचालित हो सके। इस पर अपर कलेक्टर ने जिला शि क्ष ा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

- जनदर्शन में प्राप्त हुए 105 आवेदन

जनदर्शन में आवेदन लेकर पहुंचे नगपुरा के किसानों ने बताया कि, नगपुरा में जालबांधा मुख्य मार्ग में बोरझरा नाला है, जिसे कुछ किसानों ने नाले को बंद कर दिया है। नाला बंद होने के कारण कृषि भूमि में पानी भर गया है, जिससे फसलों को नुकसान होने की संभावना है। नाले को खोलने से फसलों के होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। इस पर अपर कलेक्टर ने संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम भरदा दुर्ग निवासी ने स्वयं की भूमि पर अन्य व्यक्ति द्वारा बुआई किए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि, निजी भूमि पर अन्य व्यक्ति द्वारा अरहर की खेती की जा रही है, जिसके कारण स्वयं के भूखंड पर मेरे द्वारा फसल नही लिया जा सका, इसके द्वारा पिछले वर्ष भी यह कृत्य किया गया था। जिस पर सरपंच, कोटवार और ग्रामीणों की मौजूदगी में अन्य व्यक्ति द्वारा कृत्य की पुर्नवृत्ति नही करने का कथन किया गया था, परंतु उसका अवैधानिक कृत्य आज भी जारी है, जिसके कारण उनको आर्थिक एवं मानसिक प्रताड़ना हो रही है। इस पर अपर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

विद्युत पोल की शिफ्टिंग करने की मांग

बोरसी वार्डवासियों ने विद्युत पोल को हटाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि विद्युत पोल से बोरसी वार्डवासियों का घर लगा हुआ। पोल के पास ही मोहल्ले के बच्चों का एवं घर के बड़े बुजुर्गो और आमजनता का भी आना जाना लगा रहता है। बरसात के दिनों में विद्युत पोल में करंट होने के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इस संबंध में विद्युत मंडल में भी आवेदन दिया गया था। इस पर अपर कलेक्टर ने बिजली विभाग के अधिकारी को निरीक्षण कर तत्काल कार्यवाही करने को कहा।

माहेश्वरी समाज व जेसीआई ने किया पौधारोपण

दुर्ग। जेसीआई दुर्ग भिलाई एवं महावीर ग्रुप के साथ मिलकर माहेश्वरी समाज दुर्ग ने भारती कॉलेज के सामने नव निर्माणाधीन कॉलोनी भावभूमि में वृहद वृक्षारोपण का अभियान चलाया। जिसमें 300 से अधिक पौधे रोपे गए। नीम, पीपल, जामुन ,आम, बेलपत्र ,आदि विविध पौधों से धरती मां का श्रृंगार किया गया।अध्यक्ष योगेश राठी ने 5100 पौधे लगाने के लक्ष्य के बारे में अवगत कराया। माहेश्वरी पंचायत दुर्ग के अध्यक्ष अशोक राठी ने इस अभियान में माहेश्वरी समाज का पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इसी तारतम्य में आज श्री माहेश्वरी पंचायत, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन से 50 से अधिक संख्या में सदस्य उपस्थित होकर बृहद वृक्षारोपण किया।.

आश्रम में धूमधाम से मनाई गुरु पूर्णिमा

दुर्ग। श्री योग वेदांत सेवा समिति भिलाई दुर्ग द्वारा संत आसाराम बापू आश्रम बेलौदी में गुरु पूर्णिमा धूम धाम से मनाया गया। आश्रम परिसर में सुबह 9 बजे से संत के जीवन पर आधारित आसारामायण पाठ किया गया। उसके बाद सभी ने चिखली में हरि कीर्तन करते हुए गुरु पादुका को लेकर ग्राम भ्रमण करते हुए आश्रम परिसर पहुंचे। कीर्तन यात्रा में साधक भाई और बहन के अलावा सैकड़ों की संख्या में चिखली गांव के ग्रामीण शामिल थे। सभी ने यात्रा का पूजन वंदन, हवन धूप में कीर्तन किया। आश्रम की गेट में पादुका की आरती के साथ स्वागत वंदन किया गआ। सत्संग के माध्यम से गुरु पूर्णिमा की महिमा बताई गई। भगवान शिव जी की गुरु गीता में लिखा है गुरु पूजा हो गया तो सब देवों का पूजन हो गया माना जाता है। अंत में आरती महा प्रसादी के साथ समापन किए उक्त जानकारी युवा सेवा संघ के ओमप्रकाश साहू ने दी।

गुरु पूर्णिमा पर निकाली गई कीर्तन के साथ प्रभात फेरी

दुर्ग। श्री योग वेदांत सेवा समिति नंदिनी नगर अहिवारा के तत्वधान में संत श्रीआशाराम बापू आश्रम नंदिनी नगर अहिवारा में गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम धूम धाम से मनाया गया। जिसकी तैयारी पहले से कर ली गई थी। कार्यक्रम की शुरुवात प्रातः 8 बजे से हुई। जिसमें युवा सेवा संघ के भाइयों द्वारा सामूहिक संध्या, मानस पूजन, वीडियो सत्संग, 9 बजे से प्रभात फेरी, 10.30 बजे से संत श्री आशाराम बापू के उत्तम स्वास्थ्य के लिए हवन यज्ञ, प्रातः 11.30 बजे से गुरु वंदना श्री आशारामायण पाठ, 12.30 बजे से श्री चरण पादुका का आश्रम भ्रमण, मानस पूजन, वीडियो सत्संग, दोपहर 2 बजे से भजन कीर्तन, 4 बजे महाआरती एवं प्रसादी वितरण, कार्यक्रम के दौरान प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे तक दिन भर भोजन भंडारा चलता रहा। कार्यक्रम में दूर दूर से आए साधक भक्त शामिल थे। यह जानकारी युवा सेवा संघ नंदनी के दिलेश्वर साहू ने दी।

सावन माह शुरु, शिव मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

दुर्ग। सावन के महिने का भक्तों को बेसबरी से इतंजार रहता है देवो के देव महादेव एवं माता पार्वती जी का विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। सोमवार को शिवालयों में भीड़ उमड़ पड़ी । पहला सोमवार होने के कारण शिव भक्तों में गजब का उत्साह देखा गया। जय भोले कावडिया संघ नयापारा द्वारा शिवनाथ नदी स्थित शिव मंदिर से भजन कीर्तन के साथ यात्रा निकालकर ओमकारेश्वर मंदिर पहुंची। शिव भक्त महादेव को जल व दूध से अभिषेक कर फूलों से श्रृंगार किया। पूर्व विधायक अरुण वोरा ने सावन माह के प्रथम दिन शिव मंदिरों में पहुंचकर भगवान भोले शंकर की पूजा अर्चना की। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेश शर्मा, कमलेश देवदास, विद्या शर्मा, तरुण देवदास, मुन्नु साहू, छोटू देवदास, रमेश श्रीवास्तव पप्पू, खिलावन देवदास, लक्की साहू, राजेश देवदास आदि उपस्थित थे।

एमआईसी मेंबर के वार्ड में पानी नहीं

एमआईसी मेंबर संजय कोहले के वार्ड 13 में पानी नही आने की शिकायत सामने आ रही है। वार्ड के प्रमोद तैलंग ने बताया कि, पिछले लंबे समय से वार्ड में नल में पानी सप्लाई कम हो रही है। जिसके चलते जरूरत के अनुसार पानी नही मिल रहा है। उन्होने बताया कि, वार्ड पार्षद को भी सूचना दी गई। लेकिन निराकरण नही हो पा रहा है। उन्होने बताया कि, निगम के अधिकारी वार्डवासियों की शिकायत बाद भी सुध नही ले रहे है।

विकास कार्यों की विधायक ने की समीक्षा, दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

राज्य शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा विधायक गजेन्द्र यादव द्वारा जनता की मांग के अनुरूप स्वीकृत कार्य जिसे वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूर्ण करना है उन विकास कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक ली। विकास कार्यों के निर्माण संबंधी आने वाले विभिन्न प्रकार के बाधाओं एवं समस्याओं का निराकरण करने हेतु लोक निर्माण विभाग के सभागार में नपानि दुर्ग, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग, विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों एंव तकनीकी विशेषज्ञों के साथ संयुक्त रूप से बैठक आयोजित की गई। बैठक में उक्त सभी विभाग के साथ ज्वाइंट टीम बनाकर विकास कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने तथा सड़क के नवनिर्माण के दौरान शहर की जनता को कम से कम परेशानी हो इसे देखते हुए शीघ्र ही कार्ययोजना बनाकर वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत सभी कार्य को गुणवत्ता के साथ पूरा करने निर्देश विधायक गजेन्द्र यादव ने दिए। विधायक ने बैठक में विभागीय अधिकारियों से कहा कि शहर के विभिन्न सड़कों के चौड़ीकरण, नवनिर्माण एवं ओवरब्रिज बनाने के लिए राशि जारी की है, सड़क निर्माण दौरान आने वाले कठिनाईयों को चिन्हित कर सीमांकन करने, सड़क किनारे बिजली पोल, पाइपलाईन, पेयजल के साधन एवं पेड़ को शिफ्टिंग कार्य जल्द पूरा करने निर्देश दिए। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर सम्बंधित विभाग से तालमेल बनाकर निराकरण करने कहा।

- निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश

शिवनाथ नदी साइफन 24 इंटकवेल में फंसे

इंटकवेल में कचरा, आउटरों में सप्लाई बाधित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

पिछले तीन दिनों की बारिश से शिवनाथ नदी में बाढ आने से इंटकवेल में कचरा फंसने से पेयजल की सफ्लाई बाधित हो गई थी। हांलाकि सोमवार को सुबह साइफन में फंसे कचरो को साफ किया गया। जिसके बाद पेयजल की सफ्लाई बहाल होने की खबर है। कचरा फंसे होने के कारण रविवार को शहर के आउटर वार्डो की टंकियो में पर्याप्त पानी नही भरने से सफ्लाई बाधित हुई है।

- सोमवार को पेयजल की सप्लाई हुई बहाल

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में तीन दिनों से लगातार बारिश के कारण शिवनाथ नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है।शिवनाथ नदी महमरा एनीकट पर 6 फीटऊपर से पानी बह रहा है। शिवनाथ नदी में कचरा बहकर आने के कारण इटंकवेल में कचरा फंसने से शहर में पानी सप्लाई प्रभावित हुई है। महापौर धीरज बाकलीवाल के मार्गदर्शन पर आज जलकार्य प्रभारी संजय कोहले द्वारा जलकार्य निरीक्षक नारायण ठाकुर एवं जलकार्य विभाग की टीम के साथ शिवनाथ नदी के साइफन में फंसे कचरे 24 एमएलडी के इंटकवेल के किनारे आस पास से झिल्ली पन्नी कचरा निकाला गया। इंटकवेल में नीचे उतरकर सायफन में फंसे कचरे को सफाई करवाया।नगर निगम की टीम मौके पर 40 फीट गहराई में उतर कर पम्प में फंसे झिल्ली पन्नी को बड़ी मशक्कत के बाद कचरे को बाहर निकालकर सफाई किया गया।

मेयर और आयुक्त ने दिए निर्देश

महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं जलकार्य विभाग प्रभारी ने अधिकारियों से आज इंटकवेल में अच्छी ढंग से सफाई करवाकर शहर में जलप्रदाय में होने वाली बांधा को दूर करने कहा है। उन्होंने पानी सप्लाई निरंतर जारी रखने की बात कही। निगम द्वारा शिवनाथ नदी के 24 इंटेकवेल की सफाई करते हुए इंटेकवेल में कचरे एवं जलकुंभी को साफ करने का महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, प्रभारी संजय कोहले ने आज इंटकवेल में अच्छी ढंग से सफाई करवाकर शहर में जलप्रदाय में होने वाली बांधा को दूर करने कहा है। शिवनाथ नदी के 24 इंटेकवेल की सफाई करते हुए इंटेकवेल में फंसे हुए कचरे एवं जलकुंभी को साफ करने का कार्य किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

आरएसएस पर लगे प्रतिबंध को हटाना ऐतिहासिक कदमः विजय

भिलाई। भारतीय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर लगे हुए प्रतिबंध को भारत सरकार द्वारा हटाया गया है, जो एक अत्यंत

ऐतिहासिक एवं स्वागत योग्य कदम है। राष्ट्र के निर्माण में निर्भीक, स्वतः और सांस्कृतिक सेवा करने वाली सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन है। राष्ट्र को अखंड एवं अक्षुण्ण बनाए रखने में संघ के महत्वपूर्ण भूमिका है, विशेष कर युद्ध, गृह युद्ध, बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय जन सहयोग के लिए किए गए संघ के कार्य ऐतिहासिक एवं सराहनीय रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का आंदोलन पूर्णतया अहिंसात्मक रहा है। सरकार के इस आदेश से राष्ट्र के नवनिर्माण में सरकारी कर्मचारी की भूमिका और अधिक कारगर एवं स्पष्ट होगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक की स्थापना 27 सितंबर 1925 को हुई थी और वर्तमान में विश्व की सबसे बड़ी स्वयंसेवी संस्था है। बौद्धिक चर्चा एवं परिचर्चा देश के नवनिर्माण की के लिए के लिए रचनात्मक पहल है, और साथ ही साथ शारीरिक दक्षता पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में आम जनता स्वयं की इच्छा से अपने सेवाए प्रदान करती है।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए पौधा रोपने अपील की

जामगांव आर। एक पेड़ माँ के नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन व्यापी आव्हान को मूर्त रूप देते हुए जामगांव आर भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष कमलेश साहू ने ग्राम बटरेल में पौधारोपण कर पर्यावरण सुरक्षित करने में योगदान की अपील किए। इस पावन कार्य में महिलाओं ने भी अपनी उपस्थित थे। इस अवसर पर किसान मोर्चा अध्यक्ष दक्षिण पाटन कमलेश साहू के साथ नीरा बाई बैसाखिन बाई मनीश यादव, अशोक यादव, बेनी राम साहू आदि उपस्थित थे।

निकुम में आराध्य देवि भगवती दुर्गा महायज्ञ दुर्गति नाशिन्यै

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

तत्व-तत्व से बनेगा तीर्थराज देवि निकुंभला धाम एक दिन सारे जगत में होगा छत्तीसगढ़ का नाम

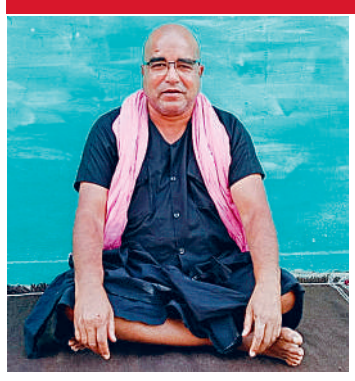

तीर्थराज देवि निकुंभला राजलक्ष्मी मंदिर जय शक्ति आश्रम ग्राम निकुम संत श्री माताजी निवास में 3 अक्टूबर 2024 से 11 अक्टूबर 2024 तक क्वांर नवरात्री पर्व में आराध्य देवि भगवती दुर्गा महायज्ञ दुर्गति नाशिन्यै का आयोजन किया जाएगा। संत श्री माताजी कहते हैं कि महायज्ञ की महिमा का श्रवण करने मात्र से ही निसंदेह सभी प्रकार के भय का नाश हो जाता है सत्य ही नहीं परम सत्य है।

गौरी गणेश पूजन से ही प्रारंभ होकर आराध्य देवि भगवती दुर्गा महायज्ञ की रचना होती है। जिस प्रकार मध्य प्रदेश की उज्जैन को महाकाल की नगरी मानी जाती है जहां पवित्र क्षिप्रा नदी माँ गंगा नदी जैसी प्रसिद्ध है जहां सभी स्नान कर मनोरथ की कामना करते हैं। ठीक उसी प्रकार छत्तीसगढ़ जिला दुर्ग के निकुम में तीर्थराज देवि निकुंभला राजलक्ष्मी की नगरी है। यहां जीवन दायनी मां गंगा स्वरूप पवित्र शिवनाथ नदी है। आने बाले समय में छत्तीसगढ़ राज्य, राष्ट्र व सम्पूर्ण विश्व में तीर्थराज देवि निकुंभला राजलक्ष्मी की कीर्ति को जाना जाएगा। संत श्री माताजी कहते हैं कि उनका हृदय, मन, इंद्रि, प्राण आनंदित कर रहा है यह जीवन धन्य है जो कि इसका दायित्व उनको मिला, सदैव ही उल्लेखित रहेगा।

आराध्य देवि भगवती दुर्गा सम्पूर्ण भय का नाश करने वाली है, सम्पूर्ण भय का तात्पर्य भयों से मुक्त कर, अभय दान कर निर्भय बना देती है। इसी भाँति से लोग कहते हैं कि घर में दुर्गा जी की पूजा करने से क्लेश अर्थात झगड़ा होता है परंतु देवी जी तो हर कष्ट को हरने वाली है। दुर्गा सप्तशती के पंचम अध्याय में ऐसा लिखा है। प्रथम अध्याय में भगवान विष्णु जी के सो जाने पर मधु कैटभ को मारने के लिए महाकाली देवी महामाया की उत्पत्ति हुई। द्वितीय अध्याय में भगवती महालक्ष्मी अट्ठारह भुजी उत्पन्न हुई। पंचम अध्याय में देवताओं की प्रेरणा से माँ गौरी के शरीर से महासरस्वती को उत्पति हुई और इन्ही के वर्णन से देवि सुक्तक की उत्पत्ति हुई सत्य ही नहीं परम सत्य है उसी भांति से अभय प्रदान कर निर्भय बनाती है। दीपावली को सम्पूर्ण विश्व उत्सव मनाता है और माँ लक्ष्मी की पूजा करता है इसका कुछ तो कारण होगा। गणेश जी ब्याह से पहले गणपति थे। ऋद्धि, सिद्धि से ब्याह करने के पश्चात ही वे महागणपति कहलाये। तत्व तत्व से बनेगा तीर्थराज देवि निकुंभला धाम एक दिन सारे जगत में होगा छत्तीसगढ़ का नाम 1 जनवरी 2025 से 26 जनवरी 2025 राजसूय महायज्ञ क्रमशः

कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हुई कोई कार्रवाई

अंडा में राइस मिल के भूसे के कारण किसानों का आवागमन हुआ बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

किसान कलेक्टर के पास जाकर जनसमस्या निवारण शिविर में करेंगे शिकायत

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के गौरव ग्राम पंचायत अंडा में राइस मिल के भूसे के कारण किसानों का आना जाना बंद हो गया है। ग्राम अंडा के राइस मिल द्वारा आम रास्ते पर भूसे का ढेर लगा दिया गया है। किसानों को आने-जाने में बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई वर्षों से किसान राइस मिल के मालिक मनोहर राठी से गुहार लगा चुके हैं कि किसानी के दिनों में किसानों के लिए आम रास्ता बंद ना किया जाए कई बार किसानों को अपने ही खेत में जाने के लिए 3 किलोमीटर घूमकर जाना पड़ता है जबकि उसका खेत 500 फीट की दूरी पर है।

किसान जब अपने खेतों में गाड़ी लेकर जाते हैं तो राइस मिल के सामने में लगा गाड़ी जब तक भूसा भरकर नहीं जाता तब तक किसान दो तीन घंटे तक सड़क में खड़े रहते हैं जिससे किसानों को भारी परेशानी हो रही है। हरदीडीह खेत के किसान सबसे ज्यादा पीड़ित है। भूसे के कारण नहर नाली को भी भूसे से दबा दिया हैं।

जिसमें प्रमुख रूप से रघुनंदन चंद्राकर, नानू चंद्राकर, अजीत चंद्राकर, संतोष ढीमर, बलदाऊ चंद्राकर, बलदाऊ चौहान, हेमंत सिंह, यशवंत निर्मलकर, मनोज साहू, दिनेश सिन्हा, केशव यादव, लोहड़ी यादव और बहुत सारे किसानों का खेत लगा हुआ है। आने-जाने में बहुत परेशानी होता है। कई सालो से मांग है कि जल्द से जल्द व्यवस्था को सुधारे अन्यथा किसान कलेक्टर के पास जाकर जन समस्या निवारण शिविर में शिकायत करने जाएगें।

तत्काल कार्रवाई किया जाए

“ किसान की मांग जायज है, राईस मिलर्स द्वारा बार-बार ऐसा किया जाता है। कई बार शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुआ मेरा भी खेत है गाड़ी सड़क पर खड़ा करके खाद को सिर पर ले जाना पड़ता है तत्काल कार्रवाई किया जाए।

अजीत चंद्राकर
ग्रामीण कृषक

पहुंच मार्ग अवरुद्ध किये जाने के संबंध में संसद में कानून बनाने की आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

■ भू माफिया द्वारा रास्ते पर दिवाल खड़ा करना अनुचित

सरकार के अथक प्रयास के बावजूद देश के अन्नदाता किसानों को कई प्रकृति जन्य आपदाओं जैसे ओलावृष्टि, अतिवृष्टि, सूखा आदि से गुजरना पड़ता है। लेकिन आज के समय में एक और ऐसी समस्या से गुजरना पड़ रहा है जो मानव द्वारा जानबूझकर निर्मित किया गया है। जिसमें से एक है उसके खेत में कृषि कार्य हेतु आने जाने का मार्ग। किसानों के खेती के रास्ते को भू माफिया, दलालों, बिल्डर या कालोनाइजर के द्वारा प्लाटिंग के नाम पर बंद करने से जहां किसानों को अन्य दूसरे अधिक दूरी से जाकर किसानी करना पड़ता है। वहीं किसी किसान से वाद विवाद एवं मजबूरन जमीन बेचना पड़ता है। कृषक आलोक अग्रवाल ने सरकार से मांग की है कि कृषि प्रधान देश भारत मे कालोनाइजर, दलालों एवं भू माफिया द्वारा निजी मार्ग के नाम से किसानों के पहुंच मार्ग को अवरुद्ध किया जाता है, जिसके संबंध में संसद में कानून बनाया जाय ताकि देश के अन्नदाता किसान को कोई परेशानी न हो। आगे आलोक अग्रवाल ने बताया कि उनके माता गीता अग्रवाल के नाम से ग्राम सिरनाभाटा तहसील धमधा में खसरा नं 437, रकबा 4.49 हे. कृषि भूमि है। जो धमधा बेमेतरा मुख्य सड़क से मात्र 400 फिट की दूरी पर है। जिसमें पिछले 3 वर्ष से सामने के खेत ख .नम्बर 15000 में कालोनाइजर द्वारा क्रय करके टीएसडी विभाग दुर्ग के अनुमोदन से प्लाटिंग की जा रही है और उनके खेत तक रोड बनाकर दीवार बनाकर रास्ता रोक दिया गया है जिसके कारण खेती किसानी के लिए उनको एवं अन्य किसान को दूसरे गांव मोतिमपुर 2 किलोमिटर लंबा घूमकर जाना पड़ता है। अग्रवाल ने बताया कि उक्त कालोनाइजर के द्वारा सीमांकन के समय उनकी मां गीता अग्रवाल को कोई नोटिस या सूचना भी नही दी गई थी जिसकी जमीन उनके ठीक पीछे लगी हुई है। इस तरह भू माफिया के आगे प्रशासन बौनी साबित हो गया है। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत डंगनिया एवं संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश द्वारा 40 फीट चौडे मार्ग पर दीवाल उठाकर रास्ता रोकने की कभी भी अनुमति प्रदान नही किया गया है। बावजूद उस रास्ते को किसानों के लिए नहीं खुलवाया जा रहा है। इस संबंध में तहसीलदार दुर्ग द्वारा कालोनाइजर उनके साथ सभी किसानों की रास्ता बताकर दीवाल खड़ा करना अनुचित बताया है। वहीं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व धमधा द्वारा उस आदेश को अनुचित बताकर पलट दिया गया है जिसके कारण किसान परेशान है। अग्रवाल ने इस संबंध में सांसद दुर्ग एवं प्रधानमंत्री भारत सरकार से मांग करेंगे कि भारत के करोडों किसानों के साथ इस तरह हो रहे अन्याय के संबंध में कानून बनाये ताकि अन्नदाता किसान परेशान न हो पाए।

केसरा स्कूल के बच्चों को मिली स्टेशनरी सामग्री

सेलूद। शासकीय नवीन प्राथमिक शाला केसरा दानीपारा में सार्थक दानी एवं हर्षिता दानी के पुत्र ऋधान दानी के जन्मदिन के अवसर पर विद्यालय के बच्चों को स्टेशनरी समान कापी, पेन्सिल, इरेजर, कटर और चाकलेट का वितरण किया गया। विगत वर्षों में दानी द्वारा बच्चों को पढ़ाई में उत्साहवर्धन के लिए स्टेशनरी समान वितरित करते हैं और अन्य सहयोग भी प्रदान करते आ रहे हैं।

विनायकपुर के अंधे मोड़ व जर्जर सड़क दे रहे दुर्घटना को न्यौता, तमाशबीन बने जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज ⏭ निकुम

■ 31 करोड़ की लागत से बनी सड़क अंडा-निकुम बनी, लेकिन विनायकपुर बस्ती सड़क खस्ताहाल

अंडा से निकुम सड़क 13.6 किमी की सड़क लगभग 31 करोड़ रुपये से बन गई, लेकिन लोक निर्माण विभाग की उदासीनता व गैर जिम्मेदारी का खामियाजा विनायकपुर के ग्रामीण व राहगीर भुगत रहे हैं। गौरतलब हो कि विनायकपुर में दो अंधे मोड़ है, विनायकपुर में मुआवजा व वोट बैंक बचाने के फेर में ना सड़कों से अतिक्रमण हटाया ना सड़क बनाया। वहीं दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक के पास लोक निर्माण विभाग होने के बावजूद विनायपुर सड़क नही बनना दुर्भाग्य साबित हो रहा है। खस्ताहाल जर्जर सड़क की ना ही मरम्मत हुआ ना सड़क बना है, जिसके कारण आए दिन अंधे मोड़ विनायकपुर में वाहन सकरी सड़क व जर्जर सड़क के कारण फंस जाती है, जिसके कारण कई घंटे वाहन जाम हो जाता है। वहीं शनिवार को मेटाडोर 15 घंटे तक फंसा रहा, लेकिन लोक निर्माण के जिम्मेदार अधिकारी मानो कुंभकर्णीय नींद में डुबे हुए हैं, जबकि प्रदेश में भाजपा सरकार आने के बावजूद सुस्त रवैया जस की तस बनी हुई है। अपनी राजनैतिक पहुंच और चापलूसी नीति के कारण लोक निर्माण विभाग में कई अधिकारी दशक भर से विभाग में जमे हैं। वहीं ग्राम सरपंच ललिता गजपाल ने कई बार पूर्व मंत्री व विभाग को मांग करते थक गये।

गुरु पवित्रता, शांति, स्नेह एवं ज्ञान की साक्षात मूर्ति होते हैंः ललित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने मन्दिरों में पूजा अर्चना कर गुरू पूर्णिमा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित किया। गुरु पवित्रता, शांति, स्नेह एवं ज्ञान के साक्षात मूर्ति होते हैं। वे स्वयं में जीवंत शास्त्र हैं, उन्हें पाने के लिए आवश्यक है हमारी सच्ची श्रद्धा और गुरुतत्व में समाहित होने की लगन।

■ विधायक ललित ने लोगों को गुरु पूर्णिमा की दी बधाई

आप सभी प्रेदश वासियों को गुरु पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे यहां कुलगुरू परंपरा सदियों से चली आ रही है और अपनी संस्कृति शिक्षा व जीवन शैली के आधार पर भारत दुनिया का सदैव नेतृत्व करता है। गुरु पूर्णिमा पर्व के महत्व को दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बताया कि गुरु को महत्व देने के लिए ही महान गुरु वेद व्यासजी की जयंती पर गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। इसी दिन भगवान शिव द्वारा अपने शिष्यों को ज्ञान दिया गया था। इस दिन कई महान गुरुओं का जन्म भी हुआ था और बहुतों को ज्ञान की प्राप्ति भी हुई थी। इसी दिन गौतम बुद्ध ने धर्मचक्र प्रवर्तन किया था। आषाढ़ माह की पूर्णिमा के दिन गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है। इस पर्व को हिन्दू ही नहीं बल्कि जैन, बौद्ध और सिख धर्म के लोग भी मनाते हैं।

दीपशिखा विद्यालय में हुआ गुरु पूर्णिमा महोत्सव

उतई। दीपशिखा विद्यालय उतई में रविवार को गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में मानस मर्मज्ञ नीलकंठ ठाकुर, पूर्व मंडी अध्यक्ष अश्वनी कुमार साहू एवं गायत्री प्रज्ञा पीठ के आचार्य लोकनाथ साहू द्वारा गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर दिव्यचिंतन सुनने को मिला। गुरुदेव ठाकुर ने बच्चों में संस्कार विकसित करने हेतु प्रथम गुरु मां को प्रणाम करने का भाव, जल्दी उठना और अपने बड़ों को प्रणाम करना अपनी चिंतन में रखा। इसके लिए रामचरित मानस की विभिन्न पंक्तियों पर अपने विचार रखे। अश्वनी साहू ने बच्चों को गुरु का हमारे जीवन में कितना महत्व है इसके बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा जीवन में हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है चाहे वह बड़ों से हो या छोटे से या फिर प्रकृति से जहां से भी ज्ञान मिले उसे ग्रहण कर उनका सम्मान करते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। लोकनाथ साहू ने भी इस अवसर पर अपना आशीर्वचन प्रदान किए। संगीत साधक के रूप में चोवाराम ठाकुर धौंरा भाठा, संतोष विनीता ढीमर, जितेंद्र साहू ने गुरु वंदना एवं लोक भजनों के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के सभी बच्चे, गुरुजन शामिल रहे। बच्चों के द्वारा भी गुरु वंदना एवं गुरु शिष्य पर आधारित प्रेरक प्रस्तुति दी गई।

बिजनेस साइट

5 दिवसीय निःशुल्क पेट, आंत लीवर एवं पेंक्रियाज रोग परीक्षण और चिकित्सा शिविर आरोग्यम हॉस्पिटल में

भिलाई। अंचल के प्रख्यात पेट रोग विशेषज्ञ (गैस्ट्रोएंटरोलॉजीस्ट) डॉ. जीवन लाल घीदले द्वारा आरोग्यम हॉस्पिटल दुर्ग में पांच दिवसीय निःशुल्क पेट, आंत, लीवर एवं पेनक्रियाज रोगों से संबंधित रोगों के परामर्श एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें पेट से संबंधित कई प्रकार की बीमारियां जैसे पेट में जलन, गैस, पेट में घाव, दस्त होना, उल्टी होना, पीलिया, हेपेटाइटिस, पेट में पानी आना, बार-बार उल्टी होना, भूख न लगना, लिवर सोरायसिस, अत्यधिक शराब की वजह से लीवर का खराब होना, पेनक्रियाज में सूजन होना, एसिडिटी इत्यादि प्रमुख है। डॉ. जीवनलाल अंचल के सर्वश्रेष्ठ पेट, लिवर पेनक्रियाज रोगों के वरिष्ठ चिकित्सकों में से एक है, यह शिविर 23 जुलाई से प्रारंभ होकर 28 जुलाई तक रहेगी। जिसका समय दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। असुविधा से बचने के लिए कृपया पूर्व पंजीयन अवश्य करावे। शिविर में आए सभी मरीजों की निःशुल्क जांच की जाएगी और पैथोलॉजी जाँच एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी की जांच पर 50 प्रतिशत की छूट होगी।

सोरियासिस रोग का इलाज आयुर्वेद रसायन से हीः डॉ. अग्रवाल

भिलाई। सोरियासिस रोग लाइलाज एक जटिल रोग है। इसकी चिकित्सा केवल आयुर्वेद के रस रसायन के अलावा दूसरी चिकित्सा है ही नहीं, इस रोग को किसी साधारण गोली दवा, इलाज से दबाने की गलती भूलकर भी नहीं करें, वरना आगे चलकर रोग गंभीर हो सकता है। डॉ. एचसी अग्रवाल बताते हैं कि वात, पित, कफ तीनों की विकृति त्रिदोषज अर्थात इम्यून डिसआर्डर रोग है। इससे वायरस बैक्टीरिया दोनों नहीं होते इसलिए यह छूत की बीमारी भी नहीं है। सिर में रूसी का भ्रम, शरीर में तांबे रंग के पपड़ीयुक्त छिलकेनुमा छाले दाग, नाखूनों का सड़ना, उंगलियों का टेढ़ा होना, जोड़ों में सूजन, दर्द, अकड़न होकर रोगी अपंग हो जाता है। यह सोरियासिस के गंभीर लक्षण है, इसमें कोई चमड़ी रोग नाशक दवा या इस्टेराईड एवं पंचकर्म क्रिया इत्यादि से ठीक नही होता दब जाता है यह केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही संभव है। सभी चमड़ी एवं रोगों के स्थायी इलाज के लिए गुरूद्वारा, स्टेशन रोड स्वरूप टाकीज के सामने, ब्राईट फर्नीचर के पीछे दुर्ग स्थित क्लीनिक में डॉ. अग्रवाल से दोपहर 3 से रात्रि 7:30 बजे तक मरीज मिल सकते हैं।

तिलखैरी के सचिव को दी गई विदाई

अंडा। ग्राम पंचायत तिलखैरी के सचिव प्रीतम देशमुख को तिलखैरी पंचायत से जनपद पंचायत गुण्डरदेही पदस्त किए जाने पर विदाई के साथ सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमे नया सचिव अश्वनी कुमार साहू पंचायत प्रतिनिधि मीना ठाकुर सरपंच, राजेश साहू उपसरपंच, केदार देशमुख पंच, किरण साहू पंच, लेवन देशमुख पंच ,गिरवर पंच, सकुंतला बाई पंच ,रेखा बाई पंच, रामबाई निषाद पंच, सत्यभामा बाई पंच केवल ठाकुर, पंच दोमेश्वरी निषाद आपरेटर रमेश रामटेके नाथू राम निषाद आदि उपस्थित थे।

आम सूचना प्रकाशन

मैं सोहन लाल चंद्रपक्षी (अधिवक्ता) हर खसो आम एवं आम जनता को सूचित करता हूँ कि ग्राम पुरई स्थित खसरा नं. 753 का टुकड़ा रकबा 864 वर्गफीट, ग्राम-पुरई, जिला-दुर्ग में स्थित दो मंजिला पक्का मकान है जो स्व. टीकम साहू के नाम पर था उसे नरेन्द्र हरियाणवी ने कब्जा किया था उस संबंध में ओम प्रकाश साहू ने सिविल मुकदमा किया था, मुकदमा समाप्त होने के बाद अब अपील न्यायालय में, जिला-अदालत में चलेगा इस कारण से सम्पत्ति विवादित है इसलिए इसे कोई भी व्यक्ति या संस्था न खरीदे अन्यथा उसके विरूद्ध भी दावा एवं मुकदमा किया जावेगा जिसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

अतः सूचना प्रकाशित किया गया।

दिनांक 18/07/2024

सूचनाकर्ता आवेदक
सोहन लाल चंद्रपक्षी
अधिवक्ता
बरई पारा दुर्ग, वार्ड नं. 30
मारवाड़ी स्कूल के सामने, दुर्ग

खबर संक्षेप

कार की ठोकर से चखना ठेला चालक की मौत

अंडा। कार की ठोकर से चखना ठेला चलाने वाले की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने चालक के खिलाफजुर्म दर्ज किया है। अंडा पुलिस ने बताया कि 20 जुलाई की रात सिरसिदा से दुर्ग जा रहे कार सीजी 10 ईके चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए गैस गोदाम के पास मुख्य मार्ग अंडा के पास चखना ठेला वाले को चपेट में लिया। घटना में डौकीडीह निवासी दुष्यंत साहू 56 वर्ष की मौत हो गई। मौके पर घटना के बाद अंडा पुलिस पहुची और शव को मरचूरी भेज दिया। गौरतलब हो कि अंडा मार्ग में लगातार सड़क हादसा हो रहा है। जिसे रोकने में ट्रैफिक पुलिस विफल होती दिखाई दे रही है।

नकली सोना बेचने वाली महिला गिरफ्तार

भिलाई। फर्जी आधार कार्ड से ज्वेलर को ठगने वाली महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला के खिलाफ पुलिस ने धारा 318(4), 336(3), 337, 339 के तहत जुर्म दर्ज किया है। एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि ज्वेलरी संचालक सुभाष संचेती ने 18 जुलाई को शिकायत किया था कि शॉप में रीमा देवी नामक महिला सोने की अंगूठी और चुड़ी खरीदने के लिए पहुची थी। अपने साथ महिला बंथेल सोना (कुछ सोना बाकि अन्य सस्ती धातु)लेकर आई थी। जिसे 2 लाख 18 हजार रूपये में बेचकर 2 लाख 15 हजार में अंगूठी, चुड़ी खरीदकर फर्जी मोबाइल नंबर, आधार कार्ड देकर फरार हो गई थी। जब संचालक ने जेवरात को चेक किया तो सोना नकली निकला था। पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान सुमीत ज्वेलर्स दुर्ग में महिला मिली जो संदिग्ध दिख रही थी। टीम ने पूछताछ करना शुरु किया लेकिन महिला ने संतोषजनक जवाब नहीं देने पर उसे थाने लाकर पूछताछ किया गया। सीसीटीवी फुटेज से मेल खाने पर महिला को पकड़ा गया। उसने अपना नाम रीमा देवी बताया लेकिन पूछताछ में कुसुम और उसका पति सुरेन्द्र के साथ ठगी करना स्वीकार किया। महिला के पास से पुलिस ने जेवर ज्वेलर्स का बिल, फर्जी आधार कार्ड स्वयं के नाम का,नगदी रकम 3 हजार रूपये जब्त किया गया। आरोपी महिला ने पुलिस को बताया कि दिगर राज्यों में इस तरह का अपराध करना स्वीकार किया।

विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण के साथ सांस्कृतिक चेतना का देंगे संदेश

भिलाई विद्यालय में शपथ ग्रहण व अलंकरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 में नवगठित कार्यकारिणी एवं सक्रिय सदस्यों का शपथग्रहण एवं अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। पदाधिकारियों को पदनामचिन्ह व सदन पट्टिका लगाकर उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों से अवगत कराया गया। विद्यालय के हेड बॉय अंकुश सोनकर, हेड गर्ल दीपिका साहू और वॉइस हेड बॉय हितेश कुमार साहू तथा वॉइस हेड गर्ल के रूप में कामिनी निषाद को नियुक्त किया गया। विद्यालय की शाला नायिका दीपिका साहू ने पदाधिकारियों को अपने पद एवं स्कूल की गरिमा की शपथ दिलाई।

प्राचार्य विजय सिंह पवार ने कहा कि मूल्यवान समय का प्रबंधन और उसके महत्व को समझने का आह्वान किया। उन्होंने नव गठित सदन के नाम की सार्थकता को व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा की भावना से व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। इस अवसर पर वर्ष भर आयोजित होने वाली शाला की सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक क्रियाकलापों का संचालन करने के लिए सभी छात्र छात्राओं को चैरिटी, फैथ, होप और पीस इन चार सदनों में बांटा गया। चैरिटी सदन से सीनियर प्रीफेक्ट्स,श्वेता झारिया एवं भावेश सिन्हा, जूनियर प्रिफेक्ट तनुश्री एवं रुद्र सिंह। फैथ सदन से सिनियर प्रिफेक्ट कशिश फातिमा एवं बृजेश कुमार, जूनियर प्रिफेक्ट ऋतिका एवं नैतिक गौर। होप सदन से सिनियर प्रिफेक्ट त्रिवेणी साहू एवं तोशित अंबाडे, जूनियर प्रिफेट ज्योति साव एवं रुपेश कुमार तथा पीस सदन से सिनियर प्रिफेक्ट कु. साधना पासवान एवं सनत साव, जूनियर प्रिफेक्ट सोनम और हिमांशु विश्वकर्मा। शिक्षक वर्ग से प्रत्येक सदन में मेंटर और डिप्टी मेंटर बनाये गये। चैरिटी हाउस के मेंटर अतिरिक्त वरिष्ठ व्याख्याता सविता धापवाल और डिप्टी मेंटर मदन मोहन राव एवं सदस्य प्रेमलता, पूर्णिमा प्रेमलता ठाकुर अजीत। फैथ हाउस के मेंटर श्रीमती संगीता मिश्रा, डिप्टी मेंटर एस के खोबरागड़े, सदस्य विशाखा पांडे, होरीलाल। होप हाउस के मेंटर निशि शिवप्पा, डिप्टी मेंटर खामेश्वरी गंजीर एवं सदस्य यास्मीन बेगम, आर सुनील, पद्मावती यादव। पीस हाउस के मेंटर वंदना सोनवाने, डिप्टी मेंटर श्रवण कुमार साहू एवं सदस्य अर्पिता दास, भावना चतुर्वेदी, राजेश कुमार साहू।

इको क्लब भी गठित

इको क्लब का अध्यक्ष बिसेन कुमार, उपाध्यक्ष मोनिका रेड्डी, सचिव शिवानी दीप, सहसचिव नूतन साहू को बनाया गया। सदन की गतिविधियों का मूल्यांकन वरिष्ठ व्याख्याता सरिता कुमारी शाक्या और राजेश कुमार गुप्ता तथा समन्वय देवेन्द्र कुमार साहू करेंगे। कार्यक्रम का संचालन एसके खोब्रागढे एवं नेहा सिंह और विद्यालय के हेड बॉय अंकुश सोनकर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

निर्माण के लिए बीएसपी देगा जमीन भवन और बिजली, पानी

बीएसपी को यूएनआईडीओ ने संचालन के लिए सौंपा डी-क्लोरीनेशन प्लांट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

यूएनआईडीओ ने डी-क्लोरीनेशन प्लांट के संचालन की जिम्मेदारी भिलाई इस्पात संयंत्र को सौंपी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) इस परियोजना का राष्ट्रीय निष्पादन भागीदार है। बीएसपी इस परियोजना का प्रमुख लाभार्थी है। पीसीबी तेल विघटन संयंत्र एक अत्याधुनिक सुविधा है,जिसे संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) और पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की सहायता से स्थापित किया गया है। इसके निर्माण के लिए जमीन, भवन, क्रेन, बिजली, पानी आदि बुनियाद ढांचे बीएसपी द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

डी-क्लोरीनेशन प्रक्रिया, उच्च स्तर और निम्न स्तर पीसीबी दूषित खनिज तेल से क्लोरीन परमाणुओं को निकालने के लिए स्थापित की गई है। यह प्रक्रिया सोडियम फैलाव समाधान का उपयोग करके रासायनिक प्रतिक्रिया द्वारा क्लोरीन परमाणुओं को निकालती है। यह प्रौद्योगिकी सफलतापूर्वक चालू हो गई है। दिसंबर 2023 में चालू हुआ पीसीबी विघटन संयंत्र, अब बीएसपी द्वारा तीनों पालियों में संचालित किया जाता है। परियोजना की सफलतापूर्वक पूर्णता के बाद, डी-क्लोरीनेशन प्लांट को 12 जुलाई को बीएसपी द्वारा स्वतन्त्र रूप से संचालन के लिए ले लिया गया है। इस अवसर पर बीएसपी के मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी प्रबीर कुमार सरकार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी असित साहा, दिब्येंदुलाल मोइत्रा, टीके कृष्णकुमार, अनिल जोशी, महाप्रबंधक बीडी बाबू, महाप्रबंधक मधु पिल्लई, संजय कुमार,उमाशंकर बरवाल, वरिष्ठ प्रबंधक मोहित कुमार तथा यूएनआईडीओ के राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार वाईपी रामदेव और सलाहकार आरके अग्रवाल उपस्थित थे। जीएम संजय कुमार ने बताया की यह यात्रा आसान नहीं थी, क्योंकि यह प्रणाली बिजली के उतार-चढ़ाव के प्रति बहुत संवेदनशील है। ऐसे मामलों में अचानक थर्मल शॉक के कारण गैसकेट पंचर हो जाता है। पूरे सिस्टम को खोलकर क्षतिग्रस्त गैसकेट आदि को बदलना पड़ता है। पीसीबी तेल के घनत्व में परिवर्तन से ऑक्सीजन प्रवाह के विभिन्न मापदंडों को बदलने की आवश्यकता होती है।

दूषित खनिज तेल से क्लोरीन परमाणुओं को निकालेगा

45 किलो घंटे की दर से पीसीबी तेल नष्ट करता है

45 किलो प्रति घंटे की दर से पीसीबी तेल को नष्ट करने की क्षमता के साथ, पीसीबी विघटन संयंत्र ने कई उपलब्धि हासिल की है। मई महीने में ही संयंत्र ने 17.2 टन तेल को नष्ट कर 66% रेटेड क्षमता हासिल की। अब तक 91 टन पीसीबी तेल नष्ट किया जा चुका है और जल्द ही यह प्लांट 100 टन का मील का पत्थर हासिल कर लेगा।उन्नत विदेशी मशीनरी से सुसज्जित, यह संयंत्र पुराने ट्रांसफार्मरों में आमतौर पर पाए जाने वाले हानिकारक पीसीबी तेल को निष्क्रिय करने के लिए 'प्लासकॉन' तकनीक का उपयोग करता है। पीसीबी तेल पर्यावरण के लिए हानिकारक है और इसका उत्पादन और उपयोग विश्व स्तर पर प्रतिबंधित है। प्लासकॉन तकनीक इस खतरनाक पदार्थ के सुरक्षित विघटन को सुनिश्चित करती है।

पर्यावरण के लिए है जोखिम

पॉली-क्लोरीनेटेड बाइफिनाइल (पीसीबी) एक कार्बनिक क्लोरीन यौगिक है, जिसे विद्युत ट्रांसफार्मर और जनरेटर में इन्सुलेशन तरल पदार्थ के रूप में और फ्लोरोसेंट लैंप बलास्ट, कॉर्क और कार्बनलेस कॉपी पेपर सहित कई औद्योगिक और उपभोक्ता अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए व्यावसायिक रूप से निर्मित किया गया था।1995 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की गवर्निंग काउंसिल ने पीसीबी पर वैश्विक कार्रवाई का आह्वान किया। जिसे \/"रासायनिक पदार्थों के रूप में परिभाषित किया गया, जो पर्यावरण में बने रहते हैं तथा खाद्य श्रृंखला के माध्यम से जैव-संचय करते हैं, और मानव स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण के लिए प्रतिकूल प्रभाव डालने का जोखिम पैदा करते हैं।

युवक पर चाकू से हमला आरोपी पुलिस गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

युवक पर हथियार से पेट में प्राणघातक हमला कर फरार होने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 109 बीएनएस के तहत गिरफ्तार किया है। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि रविवार की शाम मछली मार्केट देवार बस्ती खुर्सीपार निवासी उदय देवार के पेट में धारदार हथियार चाकू से जमकर वार कर दिया। घटना में उदय के पेट से अंतडियां बाहर आ गई। सूचना पर तुरंत सुपेला अस्पताल उपचार के लिए युवक को लाया गया। जहां डॉ ने अंतड़ियों को युवक के पेट के अंदर दोबारा डाला। उसके बाद टांका लगाया गया। घायल उदय की तबियत बिगड़ती देख उसे तुरंत जिला अस्पताल रेफर किया गया। जां उसका उपचार जारी है। शिकायत के बाद खुर्सीपार पुलिस ने आरोपी की तलाश में जुटी रही। सूचना पर पुलिस ने आरोपी अमित उर्फ पिंटू को गिरफ्तार किया है। घायल उदय घर से घूमने बाबा बालक नाथ मंदिर खुर्सीपार की ओर गया था। जहां पर आरोपी अमित उर्फ पिंटू के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। अमित ने अपने पास रखे धारदार चाकू से उदय के पेट पर वार कर दिया। जहां युवक गंभीर रुप से घायल होकर पड़ा था। परिजनों को जानकारी लगने पर उदय को पहले खुर्सीपार स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। लेकिन वहां ठीक नहीं होने पर शास्त्री अस्पताल सुपेला लाया गया।

- खुर्सीपार पुलिस थाना क्षेत्र की घटना

सीसी कैमरा में मिला था फुटेज

युवक पर हमला करने वाले आरोपी की जानकारी पुलिस को आसपास में लगे सीसी कैमरे से हुई। फुटेज मिलने के बाद आरोपी को पकड़ने के लिए टीआई वनीता पानीकर ने टीम बनाई। इसके बाद आरोपी की तलाश में जुटी रही। सूचना पर आरोपी अमित उर्फ पिंटू को खुर्सीपार से गिरफ्तार किया गया।

होटल गारनेट में लगी आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

होटल गारनेट इन में अचानक आग लगने से अफरा तफरी मच गई थी। आग लगने से पूरा होटल धुंए के गुबार में डूब गया। होटल में रुके लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सूचना पर मौके में फायर ब्रिगेड की टीम पहुच गई। घटना दुर्ग स्टेशन रोड पर स्थित तरुण टाकीज के सामने होटल गारनेट इन की है। मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार दोपहर सूचना मिलने पर होटल गारनेट इन फायर ब्रिगेड की टीम पहुची। दमकल कर्मियों ने तुरंत पूरे होटल के भीतर प्रवेश कर लोगों को बाहर निकाला। आग होटल के भीतर बने किचन में लगी थी। इस कारण पहले किचन से गैस सिलेंडर को दमकल कर्मियों ने पहले बाहर निकाला। दूसरी टीम आग को बुझाने में जुटी थी। फायर ब्रिगेड की टीम ने आगजनी में एक दमकल पानी की मदद से आग पर काबू पाया। समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम पहुच गई अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। आगजनी की घटना को मोहन नगर पुलिस जांच में लिया है। पहले एक एक्सटर्नल बड़ा वैक्यूम मशीन लगाकर होटल के भीतर भरे धुएं को कर्मियों ने बाहर निकाला।

- घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र की

कल्याण स्नातकोत्तर कालेज के विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

एक ओर सरकार कालेजों के माध्यम से युवाओं को जांब ओरियंटेड करियर बनाने का दावा कर रही है वहीं दूसरी ओर शहर के कुछ कालेज रोजगारोन्मुखी कोर्स समाप्त कर सरकार के दावों व योजनाओं पर पलीती लगा रहे हैं। शहर के सबसे पुराने कालेज कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई में अचानक रोजगारोन्मुखी कोर्स बीमा पाठ्यक्रम को बंद कर स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

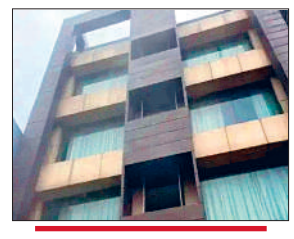

कॉलेज प्रबंधन ने बिना सूचना एवं यूजीसी की गाडइलाइन का उल्लंघन किया है। उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन को सूचना दिए बिना नए शिक्षा सत्र से इश्योरेंस कोर्स को बंद कर दिया है, जबकि दो छात्रों ने इस कोर्स में प्रवेश भी ले लिया था। कॉलेज प्रबंधन ने अपनी मनमर्जी से इस कोर्स को बंद कर दिया है। इस विषय को पढ़ाने वाले कम वेतन और संविदा कर्मचारियों (परिनियम 28 को छोड़कर) को लाखों रुपए की सैलरी लेने वाले प्राचार्य ने बेरोजगार कर दिया है। कोर्स को पढ़ाने वाले प्राध्यापकों के समक्ष भी रोजी-रोटी की समस्या पैदा हो गई है। वहीं इस विषय में प्रवेश ले चुके विद्यार्थियों में कॉलेज प्रबंधन की मनमानी के कारण भविष्य अधर में लटक गया है।

यूजीसी का उल्लंघन

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ऐसे कोर्स की अनिवार्यता जरूरी है। इसके बाद भी कॉलेज प्रबंधन ने मनमानी करते हुए कोर्स बंद कर दिया है। इसकी सूचना न तो उच्च शिक्षा विभाग को दी गई और न ही हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी को। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव ने भी अनभिज्ञता जाहिर की है। जाहिर है कि उच्च शिक्षा विभाग को गुमराह किया गया है। इसी तरह यूनिवर्सिटी के कुल सचिव यहां तक कि कुलपति को भी इसकी लिखित में कोई जानकारी नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूसीजी) की गाइडलाइन में भी कोर्स को बंद करने के कोई निर्देश या स्पष्ट आदेश नहीं है। कॉलेज प्रबंधन ने मनमर्जी से कोर्स को बंद कर दिया है। इस मामले को लेकर प्रवेश ले चुके विद्यार्थी अब हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहे हैं ।

- रोजगारोन्मुखी बीमा कोर्स को किया बंद, विवि का फरमान

शादी की बात को लेकर विवाद मंगेतर ही निकला हत्यारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

तालाब में मिले दुल्हन के शव मामले में पुलिस मंगेतर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने हत्या का अपराध कायम किया है। नंदिनी टीआई मनीष शर्मा ने बताया कि ग्राम मेडेसरा निवासी तेजस्वनी जोशी 19 वर्ष का शव तालाब में मिला था। शव मिलने के बाद परिजनों ने आत्महत्या का संदेह जता रहे थे। लेकिन पुलिस जांच में यह हत्या का मामला खुला। पुलिस ने तकनीकी व मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी सोनू को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सोनू ने पुलिस को बताया कि 9 जुलाई की रात तेजस्वनी को मिलने के लिए खुद बुलाया था। सोनू और तेजस्वनी के मध्य शादी को लेकर जमकर विवाद हुआ। इस दौरान तेजस्वनी ने सोनू से कहा कि शादी की वयवस्था ठीक नहीं है। इस पर सोनू ने जवाब देते हुए कहा कि अपनी हैसियत से शादी की व्यवस्था की है। इसी को लेकर दोनों में विवाद हुआ। फिर सोनू ने आक्रोशित होकर रात 12-1 के मध्य तेजस्वनी को तालाब के पास लेकर गया जहां उसे डूबा दिया। जब तक तेजस्वनी की सांसे नहीं उखडी तब तक सोनू उसे डूबा कर रखा था। मौत होने के बाद उसे तालाब में छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद आरोपी सोनू 11 जुलाई को उसी तालाब में पहुची और तेजस्वनी के मोबाइल को फेंक दिया।

- नंदिनी पुलिस थाना क्षेत्र की है घटना

जामुल में कोयला की हेराफेरी तीन गिरफ्तार, ट्रक मालिक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

एसीसी सीमेंट प्लांट से कोयला का हेराफेरी मामले में पुलिस ने तीन ड्राइवरों को गिरफ्तार किया है। वहीं दो ट्रक मालिक फरार है। जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने धारा 407, 511 के तहत जुर्म दर्ज किया है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि एसीसी सीमेंट कम्पनी प्रबंधक ने शिकायत किया था कि दीपका खदान से मंगाये जाने वाले कोयले में हेराफेरी हुआ है। जामुल पुलिस ने शिकायत के बाद जांच शुरु कर दी। जांच में दीपका खदान कोरबा से जी 11 ग्रेड के कोयला परिवहन कर एसीसी कम्पनी लाना था। जिसे रास्ते में तीन ट्रक सीजी 10 बीएस 8330, सीजी 11 एबी 7704, सीजी 04 एलआर 7645 के वाहन चालकों ने कोयला को बदला। जो कोयला प्लांट में पहुचा था वह पूरी तरह खराब क्वालिटी का निकलना पाया गया। आरोपियों को पकड़ने के लिए सीएसपी हरिश पाटिल ने टीम बनाई। जिसमें थाना प्रभारी जामुल कपिल देव पाण्डेय को मुखबिर ने सूचना दिया कि कोयला मामले में फरार चल रहे आरोपी नवागांव मोहदा बिलासपुर निवासी लव कुमार साहू, नवागॉव बिलासपुर रूपेश कुमार साहू, झलफा हीरी बिलासपुर राजेन्द्र प्रजापति को गिरफ्तार किया गया। तीनों आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि कोयले को दीपका खदान से लाते समय बीच में सारगॉव कोयला डिपो मे ट्रक मालिक जगदीश साहू,कैलाश साहू के कहने पर हेराफेरी करना स्वीकार किया। इन्ही के कहने पर ही खराब कोयले को एसीसी कम्पनी जामुल में पहुचाया गया।

- पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई

7987328736, 7489348301

अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. मिश्रा की शिव महापुराण कथा 25 से

शिव महापुराण कथा के लिए ट्रैफिक पुलिस का पार्किंग रुट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

छह दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन जयंती स्टेडियम भिलाई में आयोजित किया गया है। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा (सिहोर वाले) द्वारा कथा सुनाया जाएगा। इसके के लिए ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर करने के लिए पार्किंग रुट तैयार किया गया है। ट्रैफिक डीएसपी सतीश ठाकुर ने बताया कि शिव महापुराण कथा के दौरान लाखो की भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस दुर्ग द्वारा श्रद्धालुओं के सुगमता व सुरक्षित ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए रायपुर, बेमेतरा, बालोद, राजनांदगांव की ओर से कथा स्थल तक आने-जाने के लिए मार्ग,पार्किंग, डायवर्सन प्लान तैयार किया गया है। जिसमें रायपुर, चरोदा, भिलाई तीन की ओर से आने वाले वाहन चालक टाटीबंध. कुम्हारी,पावर हाउस चौक, पावर हाउस अण्डर ब्रिज, मूर्गा चौक,बेरोजगार तिराहा , सेक्टर 6 पुलिस ग्राउण्ड (पार्किंग), कथा स्थल (पैदल), बेमेतरा, धमधा दुर्ग की ओर से धमधा, धमधा नाका ओवर ब्रिज, ग्रीन चौक, राजेन्द्र पार्क, वाय शेप ब्रिज, सेक्टर 9 चौक, ग्लोब चौक सेक्टर 6 पुलिस ग्राउण्ड (पार्किंग), कथा स्थल (पैदल), राजनांदगांव, बालोद वाले राजनांदगाव बालोद, पुलगांव चौक, जेल तिराहा, डीपीएस चौक, भिलाई निवास कटिंग, हेलीपेड ग्राउण्ड फुटबाल ग्राउण्ड (पार्किंग), कथा स्थल (पैदल), धमतरी, पाटन उतई, उतई तिराहा ,डीपीएस चौक, भिलाई निवास कटिंग, हेलीपेड ग्राउण्ड/फुटबाल ग्राउण्ड (पार्किंग), कथा स्थल (पैदल), व्हीआईपी पास वाले वाहन अपने वाहन बेरोजगार तिराहा से प्रवेश कर वाहन शहीद पार्क के सामने पार्किंग करेंगें। उतई तिराहा से जवाहर उद्यान चौक तक प्रतिबंधित होगा। जयंती स्टेडियम कटिंग फारेस्ट एवेन्यू मार्ग से कार्यक्रम स्थल जयंती स्टेडियम तक पैदल आना जाना प्रतिबंधित रहेगा। किसी भी प्रकार का भारी वाहन प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

By Train- रिजर्वेशन व स्पेशल पैकेज से

चार धाम यात्रा

श्री हरिद्वार, हरकी पौड़ी, ऋषिकेश, श्री उत्तरकाशी, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री, श्री बद्रीनाथ, श्री केदारनाथ,

यात्रा दिनांक
9 सितंबर 2024
25 सितंबर 2024
03 अक्टूबर 2024
15 दिन की यात्रा

राशिः स्लीपर- 21,500/-, 3AC-29,500/-

स्वामी तीर्थ यात्रा
संपूर्ण छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र राज्य में सबसे कम दरों पर तीर्थ यात्रा
91111-11866
Head Office : ग्राउण्ड फ्लोर सिटी सेंटर मॉल पावर हाउस रोड कोरबा (छ.ग.)

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 23 जुलाई 2024

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

74154-69100, Message at - 9755819129

02

गुरु की महिमा का बखान कर पहली गुरु मां को किया याद

लाइव इवेंट

विटामिन ए सिरप बच्चों को पिलाने 23 अगस्त तक मुहिम

दुर्ग। जिला चिकित्सालय से शिशु संरक्षण माह की शुरुआत की गई। इस दौरान गांव-गांव में हेल्थ विभाग की टीम पहुंचकर आईएफए और विटामिन ए का सिरप बच्चों को पिलाएगी।23 अगस्त तक यह अभियान चलेगा। जिला अस्पताल में विधायक गजेन्द्र यादव, सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी, सिविल सर्जन डॉ. एचके साहू की मौजूदगी में अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि नियमित टीकाकरण के साथ ही विटामिन ए (09 माह से 5 वर्ष के बच्चों को प्रत्येक 6 माह में 1 बार) एवं आईएफए सिरप (06 माह से 05 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में 2 बार) 1-1 एमएल लगातार 6 माह तक पिलाया जाएगा। बच्चों व गर्भवती माताओं का टीकाकरण, गर्भवती माताओं की जांच तथा उन्हें पोषण आहार की सलाह के साथ-साथ अति गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर एनआरसी रिफर किया जाएगा। मध्यम कुपोषित बच्चों की माताओं को आहार की सलाह दी जाएगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने कार्ययोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन को प्रशिक्षण में घर-घर भ्रमण करते हुए अधिक से अधिक बच्चों को इस अभियान में जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। आयोजित कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी संदीप ताम्रकार, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा जैन, हॉस्पिटल कंसल्टेंट, आरएमएनसीएच ए कंसल्टेंट सहित अन्य मौजूद थे।

- जिला अस्पताल से की गई शुरुआत

सिटी इवेंट

सेल्फी विथ लाडो और सेल्फी विथ मां मुहिम में रोपे 1 लाख पौधे

भिलाई। जिले में पिछले दिनों महिला एवं बाल विकास द्वारा सेल्फी विथ लाडो और सेल्फी विथ मां अभियान चलाया गया। इसमें 107846 से अधिक पौधे रोपे गए। इसके अलावा शासन के एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत भी पौधे रोपे गए। अंजोरा से इस अभियान की शुरुआत की गई थी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं को लेकर लोगों को जागरूक भी किया गया। अभियान अंतर्गत दुर्ग जिले के प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषण वाटिका के साथ ही समुदाय की महिलाओं एवं बच्चों में पर्यावरण के प्रति जन-जागरुकता लाने के लिए जल शक्ति से नारी शक्ति अभियान भी चलाया गया। अभियान में ग्राम की महिला समूहों, महिला मंडल, ग्राम पंचायत स्तर की महतारी वंदन योजना से लाभांवित सभी महिलाओं को एकत्रकर पानी के महत्ता जैसे स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, पानी का संचयन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा खराब पानी का अन्य उपयोग इत्यादि विषय में जानकारी दी गई। फलदार पौधे आम, अमरुद, आंवला, मुनगा, पपीता, केला, कटहल, अनार इत्यादि लगाए गए। आंगनबाड़ी केन्द्रों में पोषक/फलदार वृक्षों के साथ ही कुपोषित व गर्भवती धात्री माताओं के घरों में भी वृक्षारोपण का अभियान प्रारंभ किया गया।

- आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर अन्य सार्वजनिक जगहों पर चला अभियान

कुपोषित, गर्भवती माताओं के घर भी रोपे पौधे

अभियान के अंतर्गत कुपोषित बच्चों, गर्भवती माताओं, प्रसूता, शिशु माताओं के घर पौधे रोपे गए। जि ले के 1506 आंगनबाड़ी केन्द्रों में 7327 पेड़, कुपोषित बच्चों के घरों में 6485 पेड़, गर्भवती माताओं के घरों में 8005 पेड़, शिशुवती माताओं के घरों में 6633 पेड़, महतारी वंदन योजना से लाभांवित महिलाओं के घरों में 69045 पेड़, छत्तीसगढ़ महिला कोष समूहों के महिलाओं के घरों में 4821 पेड़ एवं किशोरी बालिकाओं के घरों में 5530 पेड़ का रोपण किया गया। इस प्रकार 107846 से अधिक पेड़नुमा पौधे रोपे गए। अपने तरह का यह नया प्रयोग था, सभी से लगाए गए पौधों को सहेजने की अपील भी की गई।

● मुनाफा लागत का तीन गुना, प्रति एकड़ 50 हजार रुपए तक कमा रहे जिले के किसान

हल्दी की खेती अब 'प्रो ट्रे' पद्धति से, 1 लाख पौधे बांटे, महीनेभर पहले तैयार हो रही फसल

हल्दी हर घर की जरुरत है। यह रसोई के मसालों में महत्वपूर्ण है, जो कि औषधीय गुणों से भरपूर है। हल्दी सेहत दुरुस्त करने के साथ ही कई बाधाओं को भी दूर करने वाला भी मानना गया है। औषधीय गुण होने की वजह से इसका उपयोग एंटीसेप्टिक के रूप में भी होता है। बाजार में पाउडर हल्दी की कीमत इस समय 350 से 400 रुपए तक है। इसकी वजह यह है कि दुर्ग में इसकी पैदावर नहीं के बराबर है। अब दुर्ग के किसान भी हल्दी की खेती कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में इसकी खेती तेजी से बढ़ी है। खासकर धमधा, अहिवारा, कुम्हारी क्षेत्र के किसानों ने हल्दी की खेती शुरू की है। वर्तमान में जिले में 372 हेक्टेयर (एक हेक्टेयर में 2.42 एकड़) में हल्दी की खेती की जा रही है, जिसमें 2.976 मीट्रिक टन हल्दी का उत्पादन हो रहा है। यह हमारी जरुरत से काफी कम है। इसलिए हल्दी के प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए नई प्रो ट्रे पद्धति से जुड़ी जानकारी किसानों को दी जा रही है।

भिलाई। कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा में प्रो ट्रे पद्धति से हल्दी के करीब 1 लाख पौधे तैयार किए गए हैं। भारतीय सुपारी एवं मसाला निदेशालय कालीकट केरल द्वारा इसके लिए फंड उपलब्ध कराया गया है। इससे तैयार पौधों को किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। पिछले दिनों सांसद विजय बघेल के माध्यम से इस योजना की शुरुआत की गई। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. विजय जैन एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. कमल नारायण वर्मा बताते हैं कि हल्दी की पारंपरिक कृषि पद्धति से यह काफी बेहतर है। वर्तमान में एक एकड़ में हल्दी की खेती के लिए 10 क्विंटल तक बीज की जरुरत होत होती है। प्रो ट्रे पद्धति से महज 4 क्विंटल बीज से एक एकड़ में पर्याप्त खेती की जा सकती है। इसके अलावा करीब महीनेभर के समय की भी बचत होगी। किसान साल में एक बार इसकी फसल ले सकते हैं। इसके अलावा बाकी समय अन्य फसल ले सकते हैं।

हल्दी की फसल की खासी डिमांड, फार्मा कंपनी करती है एप्रोच

हल्दी की खेती की खासी डिमांड है। हल्दी की खेती फिलहाल महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, ओडिशा, बिहार, झारखंड में ज्यादा होती है। फसल को तैयार होने में 9 महीने से ज्यादा का समय लगता है, लेकिन मुनाफा लागत से तीन गुना तक हो सकता है। इसकी डिमांड भी बहुत अधिक है। कच्ची हल्दी 20 से 25 रुपए किलो के भाव से बिकती है, लेकिन सुखाने से लेकर बाजार में पाउडर बनाकर बेचने तक इसकी कीमत 350 से 400 रुपए किलो तक पहुंच जाती है। दुर्ग में खेती नहीं के बराबर होने से इसकी कीमत ज्यादा है, लेकिन दुर्ग के 5 हजार से ज्यादा किसानों ने हल्दी की खेती शुरू की है। आगामी दिनों में इसमें और भी बढ़ोतरी होनी की संभावना जताई जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों ने बताया कि ब्यूरो क्रीम से लेकर फार्मा कंपनियां भी हल्दी के लिए डायरेक्ट किसानों से संपर्क करती हैं।

हल्दी की उगत किस्म को बढ़ावा दे रही सरकार

सरकार वैसे तो हल्दी को लेकर बढ़ावा दे रही है, लेकिन पिछले कुछ समय से उगत किस्म को लेकर ज्यादा बढ़ावा दिया जा रहा है। किसानों को सलाह दी जा रही है, इस किस्म की खेती कर रहे। इसके अलावा भारतीय सुपारी एवं मसाला निदेशालय कालीकट केरल द्वारा एक प्रोजेक्ट के तहत इसके लिए फंड भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अंतर्गत ही कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा की नर्सरी में हल्दी की इस किस्म के एक लाख पौधे तैयार किए गए हैं, जिसे किसानों को वितरित किया जा रहा है। इसकी खेती के तरीके बताए जा रहे हैं। सामान्य तौर पर बुआई का समय अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से जुलाई के प्रथम सप्ताह तक की जाती है। प्रो ट्रे पद्धति से महज से 4 से 5 क्विंटल बीज से एक एकड़ में फसल लगाई जा रही है। इसके अलावा किसान अन्य पारंपरिक पद्धति का उपयोग कर फसल तैयार कर सकते हैं।

प्रो ट्रे पद्धति से खेती करने से किसानों को होगा फायदा

कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा के प्रभारी और वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. विजय जैन ने बताया कि प्रो ट्रे पद्धति से तैयार बीजों का उपयोग करने से किसानों को फायदा होगा। उन्हें बीज कम लगेगा, जिससे उनकी औसत 25 हजार रुपए प्रति एकड़ तक बचत होगी। इसके अलावा महीनेभर लगने वाला समय भी कम होगा। वर्तमान समय में हल्दी की डिमांड देश-दुनिया में है। हल्दी का उपयोग अनेक प्रकार की औषधीय तैयार किए जाने में किया जा रहा है। इसके अलावा मसालों में भी इसका उपयोग बहुताया में होता है। इसमें मुनाफा भी अधिक है। फिलहाल भारतीय सुपारी एवं मसाला निदेशालय कालीकट केरल से मिले फंड से हमने करीब एक लाख पौधे तैयार किए हैं, जिसका वितरण जिले के किसानों को किया जा रहा है। धमधा में कुछ ऐसे भी किसान हैं, जो आर्गेनिक खेती कर हल्दी तैयार कर रहे हैं। उसका पाउडर तैयार कर बाजार में बेच रहे हैं।

श्रमिकों के बच्चों को पीएससी, व्यापमं बैंकिंग के लिए तैयार करने कोचिंग

भिलाई। पीएससी, व्यापमं व बैंकिंग की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निशुल्क कोचिंग योजना शुरू की गई है। इसके लिए दुर्ग में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चं को पढ़ाया जाएगा। यह योजना छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से प्रदेश में पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों के लिए ही तैयार की गई है।

इसकी शुरुआत हो चुकी है। दुर्ग के अलावा प्रदेश के रायपुर, बिलासपुर, राजनांदगांव और धमतरी में क्लासेस लगाई जाएगी। इसके अलावा कोरबा, महासमुंद, अंबिकापुर, जगदलपुर व जशपुर में प्रवेश और काउंसिलिंग की प्रक्रिया चल रही है। आने वाले कुछ दिनों में यहां भी क्लासेस शुरू होनी है। जानकारी के मुताबिक पंजीकृत श्रमिक व पंजीकृत श्रमिक के बच्चों को शैक्षणिक योग्यता अनुसार छग लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, कर्मचारी चयन आयोग, बैंकिग, रेलवे, पुलिस भर्ती एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए 4 से 10 माह तक निशुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी। योजना का लाभ लेने के लिए इच्छुक एवं पात्र हितग्राही स्वंय, च्वाइस सेंटर या श्रम कार्यालय के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इसी तरह यदि हितग्राही की मृत्यु दिनांक 9 जून 2020 से पहले हुई है तो वे योजना के लिए उनके बच्चे पात्र हैं। इसी तरह वे हितग्राही जो नवीन योजना मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से जुड़े हुए हैं वे भी निशुल्क कोचिंग के योजना में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक इस कोचिंग में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों क्लासेस लगेंगी। ताकि विभिन्न परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र छात्राओं को दोनों विकल्प मिल सके।

अलग-अलग किस्मों के आम के पौधे रोपकर मैंगो डे किया सेलिब्रेट

भिलाई। सोमवार को टाउनशिप के लोगों ने मैंगो डे सेलिब्रेट किया। इस दौरान सेक्टर-2 सहित टाउनशिप के अलग-अलग हिस्सों में 100 से ज्यादा आम के पौधे रोपे गए। प्रशांत कुमार क्षीरसागर का कहना है कि राष्ट्रीय आम दिवस की शुरुआत 22 जुलाई 1950 को की गई थी।आम एक फल नहीं है यह संस्कृति और इतिहास का एक हिस्सा है। पर्यावरण प्रेमी क्षीरसागर ने कहा कि आम की प्रसिद्धि को देखकरअमेरिका के राष्ट्रीय आम बोर्ड ने भी इस आम दिवस की मान्यता दे दी। भारत भी आज उत्पादन के क्षेत्र में विश्व नंबर वन पर है। नेशनल मैंगो डे का मुख्य उद्देश्य आम के महत्व और खूबसूरती के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसका प्रचार प्रसार करना है। आम फलों का राजा कहा जाता है। भारत का राष्ट्रीय फल है। यह अपने स्वाद, मिठास और खुशबू के लिए फेमस है। आम का फल राष्ट्रीय फल घोषित किया गया है। भारत में नहीं बल्कि देश-विदेश में आम को बड़े चाव स्वाद से खाया जाता है।

जिला अस्पताल में तीन महीने पहले शुरुआत, अब सुविधाएं बढ़ाई जा रही

दुर्ग जिले में सिकलसेल के 9413 मरीज, इसलिए एक एक केस की पहचान के लिए डॉक्टरों को दे रहे ट्रेनिंग

कार्नर न्यूज

भिलाई। दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ में सिकलसेल या सिकलिंग बीमारी एक बड़ी परेशानी बनकर उभर रही है। अनुवांशिक होने वाली इस बीमारी से लोगों की मौत तक हो रही है। असमय लोग इसका शिकार हो रहे हैं। मुख्य रूप से बच्चे चपेट में आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों की मानें, तो हर एक हजार मरीजों में 10 से ज्यादा की समय पर इलाज नहीं मिल पाने की वजह से मौत हो रही है। इसे लेकर सिकलेन उन्मूलन मिशन 19 जून 2023 को शुरू किया गया।

सूरजपुर, जशपुर, अंबिकापुर में काम कर रही संस्था

संगवारी पहल को एनजीओ संगवारी पीपलस एसोसेसियन फारइक्यूवीटी एंड हेल्थ अम्बिकापुर द्वारा चलाया जा रहा है। यह संस्था निशुल्क ओपीडी सुविधा प्रदान कर रही है। संस्था सूरजपूर, अम्बिकापुर, जशपुर आदि अन्य जिलों में सिकल सेल मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर रही है। साथ ही साथ अन्य बिमारियां जैसे हृदय संबंधित, शुगर, मिर्गी इत्यादि रोगों के क्षेत्र में भी काम कर रही है। डॉ. हेमंत साहू ने कहा कि टैबलेट हाइड्रोक्सीयूरिया एक सुरक्षित दवा है। टैब हाइड्रोक्सीयूरिया में सिकल सेल एनिमिया के लिए एक आदर्श दवा की विशेषता है कि यह कई क्रियाविधि के माध्यम से चिकित्सकीय लाभ प्रदान करता है। इसके उपयोग से अस्पताल में भर्ती सिकल सेल मरीजों में 50 प्रतिशत कमी लाई जा सकती हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी संदीप ताम्रकार, अस्पताल सलाहकार डॉ. ओम प्रकाश वर्मा, प्रीतिका पवार, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. सीमा जैन, डॉ. देवेन्द्र साहू, डॉ. बीआर साहू सहित अन्य मौजूद थे।

दवा के उपयोग और मैनेजमेंट से जुड़ी जानकारी दी गई

प्रशिक्षण के दौरान डॉक्टरों को दवा के उपयोग और मैनेजमेंट से जुड़ी जानकारी दी गई। संगवारी पीपलस एसोसेसियन फारइक्यूवीटी एंड हेल्थ के मास्टर ट्रेनर एमडी मेडिसीन डॉ. योगेश्वर कालकोंडे ने सिकल सेल प्रबंधन, टैब हाइड्रोक्सीयूरिया का उपयोग बताया। बता दें कि आईबी ग्रुप के द्वारा सीएसआर मद से सिकल सेल संगवारी कक्ष का संचालन किया जा रहा है। इसमें सिकल सेल के मरीजों को शासकीय चिकित्सालय में शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत निःशुल्क परामर्श एवं उपचार प्रदान किया जा रहा है। संस्था द्वारा सिकल सेल पीड़ितों के उपचार एवं सिकल सेल मरीजों के योजना की लाभ दिलाने हेतु प्रशिक्षित किया गया। सिविल सर्जन डॉ. हेमंत साहू ने कहा कि जिला चिकित्सालय में सभी सिकल सेल मरीजों का उपचार एवं परामर्श की सुविधा निशुल्क है। काउंसलिंग, टैब हाइड्रोक्सीयूरिया के बारे में जानकारी, उनके संदेह को दूर करने एवं कन्फर्मेट्री टेस्ट, जिला चिकित्सालय में करवाने तथा डॉक्टरी सलाह दी जा रही है।

सिटी इवेंट

उद्योगपति जितेंद्र को डॉक्टरेट मेरीलैंड विवि से सम्मानित

भिलाई। शहर के प्रतिष्ठित उद्योगपति जितेंद प्रसाद गुप्ता को डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया है। वे छग चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज उद्योग चेम्बर के अध्यक्ष भी हैं। उन्हें यह सम्मान आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत एक विशेष उत्पाद निर्माण के लिए प्रदान किया गया। गुप्ता ने बताया कि यह मेरे लिए तो गर्व की बात है, लेकिन भिलाई उद्योग जगत के लिए भी यह गौरव की बात है। महामारी के दौर में जब देश जूझ रहा था। उस समय ऐसा उत्पाद निर्माण किया गया, जिसकी उत्पाद लागत अन्य देशों से कम थी। हमे आयात करने की जरूरत भी नही पड़ी। मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी (यूएसए) द्वारा उत्पाद की गुणवत्ता को हर औद्योगिक पैमाने से परखा गया। यह उत्पाद हर मायने में उत्तम पाया गया। इसके बाद जितेंद प्रसाद गुप्ता को डॉक्टरेट की उपाधि देने का निर्णय लिया। मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा भारत सरकार के निज सचिव और उद्योग मंत्रालय के सानिध्य में जितेंद प्रसाद गुप्ता को सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि पर चेंबर ऑफ कामर्स के महामंत्री अजय भसीन, अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्रा, करमजीत बेदी, नरसिंग कुकरेजा, अजित सिंह, विनोद सोनी सहित अन्य ने बधाई दी है।

समाज लाइव

गुरु की महिमा का बखान कर पहली गुरु मां को किया याद

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज ठेठवार यादव समाज महिला प्रकोष्ठ एवं युवा प्रकोष्ठ द्वारा एक पेड़ मां के नाम व गुरु पूर्णिमा पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने प्रथम गुरु अपनी मां और अपने जीवन काल में विपत्तियों में उचित मार्गदर्शन देकर जीवन जीने की कला सिखाने वाले सभी वरिष्ठजों को याद कर प्रणाम किया। इस दौरान विचार मंथन में ईश्वर से पहले गुरु पूजा, पौराणिक संस्कृति गुरुकुल व्यवस्था एवं गुरु दक्षिणा प्रथा जिनके स्पर्श मात्र से पारस पत्थर के समान मूल्यवान होना, राष्ट्र निर्माता, युग प्रवर्तक, क्रांतिकारी सोच एवं व्यक्तित्व निर्माता के रूप में गुरु की महिमा का गुणगान किया गया। अपने विचार प्रकट करते हुए उपस्थित जनों ने कहा कि जिस प्रकार मां मानव का पोषणकर्ता होती है उसी प्रकार धरती माता प्रकृति की पोषणकर्ता है। मां अपने बच्चों को लाड-प्यार से पालती पोसती है, ठीक उसी प्रकार धरती मां अपने पुत्र पौधों एवं लताओं का पोषण करती है। इस दौरान पर्यावरण के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए कार्यक्रम स्थल पर पीपल के पौधे का रोपण कर सभी सामाजिक जनों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ संरक्षक वसुंधरा यदु, मंजू यदु, अध्यक्ष सरोज यदु, कोषाध्यक्ष सत्यभामा यादव, सचिव सुषमा शिवबालक यादव, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सत्येंद्र यादव, पूर्व अध्यक्ष बिरेंद्र यदु, महासचिव सूर्यकांत यादव, कोषाध्यक्ष राजू यादव, सचिव शिव यादव, संगठन मंत्री प्रमोद यादव, जागेश्वर सहित अनेक जन उपस्थित थे।

समाज इवेंट

काव्य कृति जिन्दगी की तमन्ना का कल किया जाएगा विमोचन

भिलाई। कला एवं साहित्य के लिए समर्पित संस्था कला परंपरा के तत्वावधान में बुधवार को दोपहर 2 बजे से साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन प्रियदर्शिनी परिसर नेहरू नगर भिलाई में रखा गया है। इस कार्यक्रम में अंचल के वरिष्ठ साहित्यकार व संपादक डॉ दीनदयाल साहू की काव्य कृति जिन्दगी की तमन्ना का विमोचन किया जाएगा। इसके साथ ही सघन वृक्षारोपण अतिथियों द्वारा किया जाएगा। कला परंपरा के अध्यक्ष डॉ डीपी देशमुख ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार व शिक्षविद डॉ चितरंजन कर रायपुर, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ मानिक विश्वकर्मा वरिष्ठ साहित्यकार रायपुर तथा विशेष अतिथि डा सुधीर शर्मा प्राध्यापक कल्याण महाविद्यालय भिलाई, डॉ वेदवती मंडावी प्रदेशाध्यक्ष प्रगति महिला गोंडवाना समाज भिलाई, डॉ महेशचंद्र शर्मा तथा संतोष झांझी वरिष्ठ साहित्यकार भिलाई होंगे। कार्यक्रम का संचालन रश्मि पुरोहित उपाध्यक्ष कला परंपरा करेंगी। इस कार्यक्रम में अंचल के साहित्यकार व साहित्य जगत से जुड़ी प्रतिभाएं विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। 24 जुलाई को होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। आने वाले अतिथियों से सहमति भी ली गई है। इस दौरान दुर्ग जिले के सभी प्रमुख व प्रतिष्ठित साहित्यकार शामिल होंगे। लंबे समय इस प्रकार का आयोजन होने जा रहा है। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर विमोचन का कार्यक्रम होगा। इसके अलावा साहित्यकारों द्वारा पौधे भी रोपे जाएंगे। साथ ही इन पौधों सहेजने के लिए संकल्प भी लिया जाएगा।

● दुर्ग-भिलाई में जगह-जगह निकली कांवर यात्रा, पूरे दिन भजन-कीर्तन का भी आयोजन

सावन की शुरुआत: मंदिरों में लगी भक्तों की कतार, पंचाक्षरी मंत्र के साथ किया जलाभिषेक

भिलाई। सावन माह के पहले सोमवार को दुर्ग-भिलाई के सभी शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतार लगी रही। जहां भगवान शिव का जलाभिषेक करने भक्त सुबह से जुटे रहे। श्रावण मास के पहले सोमवार को शिव मंदिरों में दिनभर बोल बम का नारा है बाबा एक सहारा है और ओम नम शिवाय के स्वर गूंजायमान रहे। इस दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा अर्चना करने शिवालयों में रात तक पहुंचते रहे। शिवभक्तों ने सोमवार को व्रत रखकर पूजा अर्चना कर फलाहार किया।

पंचामृत से किया अभिषेक

दुर्ग-भिलाई के शिवमंदिरों के साथ ही शिवनाथ नदी के तट पर शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिरों में पंचाक्षरी मंत्र के साथ भक्तों ने शिवलिंग का जलाभिषेक किया। भक्तों ने महादेव का दूध, दही, शहद, घी, फलों के रस, शक्कर, मंदार के फूल, धतूर, भांग, अष्टगंध, धूप दीप आदि से अभिषेक व पूजन कर भोलेनाथ के जयकारे लगाते रहे। राज राजेश्वरी मंदिर पावर हाउस में शिव भक्तों द्वारा 51 किलो दूध से अभिषेक किया गया।

मंदिरों में रही भीड़

भगवान शिव के प्रिय श्रावण मास के पहले दिन ही भक्त सुबह 5 बजे से ही शिवालयों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा अर्चना की। कई स्थानों में पार्थिव शिवलिंग बनाकर विद्वान पंडितों द्वारा महारुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान ओम नम शिवय, श्री शिवाय नमस्तुंभम और बोलबम का नारा है बाबा एक सहारा है गूंजायमान रहे। कई स्थानों पर कांवड़ियों द्वारा शिवनाथ नदी से जल लाकर समीप से शिवालय में जलाभिषेक किया गया।

ट्विनसिटी के लिए सावन होगा खास

इस बार सावन का महिना शिव भक्तों के लिए खास होने वाला है, क्योंकि भिलाई में 25 जुलाई से अंतराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव कथा का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए तैयारी की जा रही है। शिव भक्तों में प्रदीप मिश्रा की शिवकथा को लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है।

सभी शिवालयों में रही भक्तों की भीड़

शहर के बैंकुठधाम, नेहरूनगर भेलवा तालाब मंदिर, सेक्टर 7 तालाब स्थित शिवमंदिर, जलकंठेश्वर मंदिर, राज राजेश्वरी मंदिर पावर हाउस, दुर्ग स्थित पशुपतिनाथ मंदिर, शिवनाथ नदी स्थित शिवमंदिरों में विशेष पूजन व रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। भगवान शिव को अतिप्रिय सावन के महीने में महादेव को मात्र जल अर्पण करने से ही पुण्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि सावन का पहला सोमवार काफी शुभ होता है। इस दिन जो भी भक्त पूरी भक्ती और श्रृद्धा के साथ भगवान शिव को एक लोटा जल चढ़ाता है उसकी मन्नत भगवान जरूर पूरा करते हैं।

जलाभिषेक से महादेव होते हैं प्रसन्न

सावन मास और सावन सोमवार की पौराणिक महत्ता है। सावन के महीने में महादेव को जल चढ़ाने के पीछे मान्यता है कि समुद्र मंथन के दौरान जब विष निकला तब चारो ओर हाहाकर मच गया। विष के असर से देवता और असुर परेशान हो गए। तब सभी ने मिलकर त्रिनेत्रधारी शिव से प्रार्थना कर विष को ग्रहण करने कहा। महादेव ने समुद्र से निकले विष को पीकर उसे अपने कंठ में रख लिया। उनका कंठ विष के असर से नीला पड़ गया। उनके पूरे शरीर में जलन होने लगी। तब सभी देवताओं और भक्तों ने उन पर लगातार जल अर्पण किया।

अलंकरण समारोह में दिखा उत्साह

स्कूल के नवनिर्वाचित छात्र परिषद ने अनुशासन व कर्तव्यों को निभाने ली शपथ

भिलाई। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तत्वावधान में चलने वाले रूंगटा पब्लिक स्कूल में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चुने गए नए छात्र परिषद के सदस्यों ने अपने-अपने पद की शपथ ली। इस समारोह में मुख्य अतिथि एसआरजीआई अध्यक्ष संजय रूंगटा, डेंटल कॉलेज के प्रमुख कार्तिक कृष्णन, प्राचार्य राजीव कुमार, उप प्रधानाचार्या दीप्ति सिंह, शिक्षक, अभिभावक सहित छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय की उप प्रधानाचार्या दीप्ति सिंह ने सभा में उपस्थित सभी का अभिवादन करते हुए स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में स्कूल छात्राओं द्वारा नृत्य व संगीत की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ उपस्थित लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

रूंगटा पब्लिक स्कूल में बच्चों को बैच व सैशे पहनाकर किया सम्मानित

अनुशासन बनाए रखने का लिया संकल्प

कार्यक्रम के दौरान सबसे प्रतीक्षित क्षण तब आया जब जूनियर और सीनियर दोनों स्कूलों के नवगठित काउंसिल सदस्यों ने मिलकर एक सुर में मंच की ओर मार्च किया। सभी नवनिर्वाचित छात्र-छात्राओं को सैशे और बैज पहनाया गया। नवनिर्वाचित, सीनियर हेड गर्ल, रुविनी पॉल, सीनियर हेड बॉय जयंश मेहता, जूनियर हेड बॉय अयान जैन, जूनियर हेड गर्ल जुनैरा आलम, सीनियर स्पोर्ट्स हेड रूद्र प्रताप सिंह चौहान, कल्चरल हेड इकरा सिद्दीकी के साथ चारों सदनों के मुख्य पदाधिकारियों ने मंच पर आकर शपथ ग्रहण कर विद्यालय के विकास और अनुशासन को बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उन्होंने अपने विचार भी प्रस्तुत किए। नवनिर्वाचित कैबिनेट सदस्यों के माता-पिता के लिए यह गर्व का क्षण था कि उनके बच्चों को छात्र नेताओं के रूप में एक नई यात्रा शुरू करते हुए बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई।

कर्तव्यों के निर्वहन की दी सलाह

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में प्राचार्य राजीव कुमार ने नई परिषद को बधाई देते हुए उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन में निष्पक्ष और ईमानदार रहने की सलाह दी। मुख्य अतिथि एसआरजीआई के अध्यक्ष संजय रूंगटा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यार्थी परिषद के सदस्यों को रोल मॉडल बनने और कल के राष्ट्र निर्माता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाने के लिए निर्देशित किया। अंत में सांस्कृतिक हेड इकरा सिद्दीकी और अक्षिता चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

अनूठी पहल

पौधारोपण व रक्तदान कर किया सेवा कार्य

भिलाई। समाजसेवी भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह ने सेवाकार्य करते हुए जरुरमंदों को भोजन कराया साथ ही यूनिट के सदस्यों द्वारा 44 यूनिट ब्लड डोनेट कर अनेक सेवाकार्य किये गए। इस दौरान हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्रांसपोर्ट नगर हथखोज स्थित कार्यालय में शहर के गणमान्य नागरिक पहुंचे थे। गुरुद्वारे में लंगर का आयोजन भी एचटीसी द्वारा किया गया था। इन्द्रजीत सिंह छोटू के जन्मदिन पर ब्लड डोनेशन कैंप में 44 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इसके साथ ही 500 पौधे रिटर्न गिफ्ट के रूप में सभी को वितरित किए गए। इस अवसर पर संस्था फील परमार्थ भिलाई सेक्टर 3 के बुजुर्गों के साथ केक काटकर जरुरतमंदों को भोजन कराया गया। फील परमार्थ मे विक्षिप्त जनो के लिए जरुरत की सामाग्री भी वितरित की गई। मंदिरों व चौक-चौराहों के किनारे बैठे जरूरतमंद लोगों को चादर व छाते वितरित किए गए। साथ ही लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया। ट्रांसपोर्ट नगर के कर्मचारियों के लिए बीपी, शुगर व अन्य जांच शिविर का आयोजन भी किया गया। जिसका लाभ लेने काफी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान अनिल सिंह, मलकीत सिंग, अनिल चौधरी, जोगा राव, अंजय शुक्ला प्रभूनाथ मिश्रा ,गोपाल खंडेलवाल गनी खान कुरैशी, सुधीर सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंग दिलीप खटवानी, लाला यादव, शानू, निर्मल सिंग, हरेन्द्र यादव, रामधनी यादव सहित अनेक जन उपस्थित थे।

- 44वें जन्मदिन पर 44 यूनिट रक्तदान कर किया पौधारोपण, जरुरतमंदों को कराया भोजन

कला मंदिर में मनाई गई डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती

डॉ. खूबचंद जयंती पर समाज के प्रतिभावान बच्चे व माटी पुत्र सम्मान से सम्मानित हुए सामाजिकजन

कार्नर न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम स्वप्न दृष्टा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राजनेता स्व.डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज भिलाई नगर द्वारा मनाई गई। इस अवसर पर प्रतिभावान सामाजिक जनों को सम्मानित किया गया। जयंती समारोह का आयोजन कूर्मि भवन सेक्टर-7 भिलाई में किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल, विधायक रिकेश सेन, राजप्रधान दुर्ग राज दुलारी वर्मा, स्टील एग्जेक्युटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, आत्माराम नायक कार्यकारी अध्यक्ष मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज, छत्तीसगढ़ी कूर्मि समाज भिलाई अध्यक्ष ईश्वरी वर्मा, महिला अध्यक्ष माया अमृत, रूपा वर्मा, मिथिला खिचरिया सहित अनेक सामाजिक जन उपस्थित थे। दीप प्रज्वलन व राजगीत से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष आत्माराम नायक ने स्वागत भाषण व आयोजकीय वक्तव्य दिया।

समाज के प्रतिभावान हुए सम्मानित

स्व.डॉ. खूबचंद बघेल की स्मृति में पर्यावरण संरक्षक बालूराम वर्मा का समाज के माटी पुत्र सम्मान से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के 19 वरिष्ठ सदस्यों को सेवानिवृत्त होने व शिक्षा के क्षेत्र में विशेष प्रतिभा वाले 11 छात्रों को छात्रप्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। जिनमें 10वीं में तन्मय परगनिहा, चित्रांश वर्मा, सिद्धी नायक, आयुष वर्मा, सौम्या वर्मा, जान्हवी वर्मा, आभाष कुमार बंछोर तथा 12वीं में प्रणव परगनिहा, सिद्धांत वर्मा, भव्य बंछोर एवं महीप बंछोर सहित छंदबद्ध भारत के संविधान कृति के लिए गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड में नाम दर्ज संगीता वर्मा को विशेष प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ. बघेल ने आजादी की लड़ाई में दिया था योगदान

मुख्य अतिथि विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. खूबचंद बघेल राज्य के अवधारणा के जन्म दाता थे। वे विचारशील राजनेता थे जिन्होंने आजादी की लड़ाई के साथ छ.ग. की संस्कृति, वैभव और गौरवशाली इतिहास को नई ऊँचाई दी।

विशिष्ट अतिथि रिकेश सेन ने कहा कि आज डॉ साहब के असाधारण योगदान को याद करने का दिन है। उनके जीवन में वर्षो के संघर्ष को हम बहुत थोड़ा सा ही अपना ले तो जीवन संवर सकता है। दुर्ग राजप्रधान दुलारी वर्मा ने कहा कि जयंती दिवस छग वासियों के शान-सम्मान और अस्मिता का बोध कराने का दिवस है। कार्यक्रम के अंत में कोषाध्यक्ष सुधीर खिचरिया द्वारा आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम चंद्रकुमार वर्मा, राजेश, अजय वर्मा, डॉ शालिनी वर्मा, मधु वर्मा, पीलाराम वर्मा व विजय कुमार वर्मा सहित सामाजिक जन थे।

वैदिक ज्योतिष

50 साल बाद चतुर्ग्रही योग बनने से इन राशियों की चमक उठेगी किस्मत

वैदिक ज्योतिष मुताबिक ग्रह एक निश्चित अवधि पर राशि परिवर्तन करके त्रिग्रही और चतुर्ग्रही योग बनाते हैं, जिसका व्यापक प्रभाव मानव जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि अगस्त में ग्रहों के राजकुमार बुध ग्रह और ग्रहों के राजा सूर्य सिंह राशि में विचरण करेंगे। वहीं धन के दाता शुक्र और चंद्र ग्रह भी सिंह राशि में स्थित रहेंगे। ऐसे में इन ग्रहों की युति से चतुर्ग्रही योग बनेगा। जिससे कुछ राशियों की किस्मत पलट सकती है। साथ ही इन राशियों की धन- दौलत में अपार बढ़ोतरी हो सकती है। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं।

सिंह राशि : सिंह राशि वाले लोगों के लिए चतुर्ग्रही योग लाभकारी साबित हो सकता है। क्योंकि यह योग आपकी राशि से लग्न भाव पर ही बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपके व्यक्तित्व में निखार देखने को मिलेगा। साथ ही इस अवधि में भाग्य के सहयोग से कई कार्य आसानी से पूरे भी हो जाएंगे। जो लोग लंबे समय से नौकरी में बदलाव की योजना बना रहे हैं, उनको अब करियर में उन्नति और सैलरी में वृद्धि के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे। साथ ही इस अवधि में आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। इस समय अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

धनु राशि : चतुर्ग्रही योग बनने से धनु राशि वाले जातकों के अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं क्योंकि यह योग आपकी राशि से नवम भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान आपको किस्मत का साथ मिलेगा। साथ ही इस समय आपकी बुद्धि का विकास होगा और अपने लक्ष्यों को लेकर पूरी तरह फोक्स्ड भी रहेंगे। वहीं इस समय आप देश- विदेश की यात्रा कर सकते हैं। वहीं इस समय नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति हो सकती है। साथ ही इस अवधि में आप कोई धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि के जातकों के लिए चतुर्ग्रही योग लाभकारी सिद्ध हो सकता है क्योंकि यह योग आपकी गोचर कुंडली के कर्म भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में तरक्की मिल सकती है। साथ ही इस समय धन कमाने के कई बेहतरीन अवसर मिलेंगे और धन की बचत करने में भी सक्षम होंगे। वहीं इस दौरान बेरोजगार लोगों को नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही अगर आप कारोबारी हैं तो आपको अच्छा धनलाभ हो सकता है। साथ ही आप व्यापार का विस्तार कर सकते हैं।

एक साल बाद मंगल 27 को करेंगे शुक्र के नक्षत्र में प्रवेश, इनकी पलटेगी किस्मत

वैदिक ज्योतिष अनुसार ग्रह समय- समय पर राशि और नक्षत्र परिवर्तन करते हैं। जिसका प्रभाव मानव जीवन और देश- दुनिया पर देखने को मिलता है। आपको बता दें कि मंगल देव अभी कृतिका नक्षत्र में संचरण कर रहे हैं और वह 27 जुलाई को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। जिसके स्वामी शुक्र देव हैं। वहीं ज्योतिष अनुसार मंगल और शुक्र देव में मित्रता का भाव है। इसलिए मंगल ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन लाभकारी साबित हो सकता है। साथ ही इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ और करियर- कारोबार में तरक्की के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं ये लकी राशियां कौन सी हैं।

मेष राशि : मेष राशि के लोगों के लिए मंगल ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन लाभकारी साबित हो सकता है।क्योंकि एक तो मंगल ग्रह आपकी राशि के स्वामी हैं। इसलिए इस समय आपके व्यक्तित्व में निखार देखने को मिलेगा और भाग्य के सहयोग से कई कार्य आसानी से पूरे भी हो जाएंगे। साथ ही जो लोग लंबे टाइम से जॉब में बदलाव की योजना बना रहे हैं, उनको अब करियर में उन्नति और सैलरी में वृद्धि के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे।

वृष राशि : मंगल ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन वृष राशि के जातकों को शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। इस दौरान आपको समय- समय पर आकस्मिक धनलाभ होगा। साथ ही व्यापारियों को इस अवधि में अच्छा मुनाफा होगा और बुद्धिमानी से हर तरह की चुनौतियों से निपटने में सक्षम भी होंगे। वहीं इस समय आपको वाहन और प्रापर्टी का सुख प्राप्त होगा।

मकर राशि : मकर राशि के लोगों के लिए मंगल ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। इस दौरान आपको काम-कारोबार में खास तरक्की मिलेगी। साथ ही इस अवधि में आय के नए स्त्रोत बनेंगे। वहीं इस दौरान आपकी समाज के बड़े और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी, जो आगे चलकर आपको लाभ करवा सकते हैं।

खराब लाइफस्टाइल के कारण व्यक्ति की औसत जीवन प्रत्याशा भी घटकर रह गई 60 वर्ष

स्वस्थ और फिट रहने सुबह-सुबह अपनी डाइट में शामिल करें हेल्दी फूड्स

आमतौर पर लोग गलत खान-पान अपनाते हैं और कई बीमारियों का कारण बनते हैं। बहुत से लोगों को यह भी नहीं पता होता है कि कौन सा भोजन उनके स्वास्थ्य के लिए अच्छा है और कौन सा हानिकारक है। खराब लाइफस्टाइल के कारण व्यक्ति की औसत जीवन प्रत्याशा भी घटकर मात्र 60 वर्ष रह गई है। हालांकि, हमारे नैचर ने हमें कई ऐसे कई पोषक तत्व प्रदान किए हैं, जो हमें स्वस्थ रहने में मदद करते हैं और कई बीमारियों से बचाते हैं। आइए जानते हैं कि कौन-से सुपर फूड खाकर स्वस्थ रह सकते हैं।

पपीता

पपीते के साथ दिन की शुरुआत करना काफी फायदेमंद होता है। यह बॉडी डिटॉक्सीफिकेशन के लिए काफी अच्छी चीज है, जो शरीर को एनर्जी के लिए इससे फाइबर और फ्रक्टोस भरपूर मात्रा में मिलता है। सुबह खाली पेट पपीता खाने के बाद 45 मिनट तक ब्रेकफास्ट न करें। यह बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है। इससे कब्ज में भी राहत मिलती है।

भीगे हुए बादाम

अगर आप किसी तरह की एक्सरसाइज करते हैं या जिम जाते हैं, तो आपको सुबह खाली पेट भीगे हुए ड्राई फ्रूट्स खाना चाहिए, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। ड्राई फ्रूट्स में प्रोटीन और हेल्दी फैट भरपूर मात्रा में पाया जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट कहते हैं कि सुबह के समय फाइबर और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चिया सीड्स खाने से भी शरीर को काफी फायदा पहुंचता है।

फ्रेश वेजिटेबल जूस

अपने दिन की शुरुआत गाजर, चुकंदर या हरी सब्जियों से करें। ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा के लिए बहुत अच्छी होता है। अगर इसमें थोड़ा सा नींबू भी शामिल कर लें, तो शरीर को विटामिन सी मिल जाएगा। आप चाहें तो आंवला या एलोवेरा का जूस भी पी सकते हैं। ये हमारी त्वचा और बालों के लिए काफी फायदेमंद साबित होता है।

खजूर और फल

अगर आप सुबह ढेर सारी एनर्जी पाना चाहते हैं तो खाली पेट पानी के साथ दो खजूर का सेवन करें। इससे आपकी बॉडी को इंसटैंट एनर्जी मिलती है। इसके अलावा आप सुबह खाली पेट केला, सेब या पपीता जैसे फलों का भी सेवन कर सकते हैं, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं।

आज से ही छोड़ दें ये खतरनाक फूड्स, सेहत के लिए हैं हानिकारक

हर व्यक्ति स्वस्थ और निरोगी रहना चाहता है. इसलिए वे हेल्दी चीजें खाता है। शरीर को विटामिन, प्रोटीन और खनिज जैसे पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। इन तत्वों को प्राप्त करने के लिए हम बहुत सारे स्वस्थ खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों का सेवन करते हैं। वहीं बाजार में ऐसे कई अनहेल्दी फूड मिलते हैं जो स्वास्थ्य होने का दावा करते हैं, लेकिन असल में वह फूड आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। हम आपको बताते हैं कुछ अनहेल्दी फूड्स जिससे आपकी सेहत बिगड़ सकती है।

व्हाइट ब्रेड

ज्यादातर व्हाइट ब्रेड सेहत के लिए अच्छे नहीं होते हैं। अगर उन्हें ज्यादा मात्रा में खाया जाए तो वह काफी नुकसान करती है, क्योंकि वे परिष्कृत गेहूं से बने होते हैं। इनमें फाइबर और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है, जो ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकती है। डायबिटीज रोगियों को व्हाइट ब्रेड का सेवन बिलकुल नहीं करना चाहिए।

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट

रिफाइंड कार्ब्स ,जो आमतौर पर पास्ता, व्हाइट ब्रेड और मफिन जैसे प्रोसेस्ड फूड य में पाए जाते हैं, जिसके सेवन से ब्लड शुगर का लेवल तेजी से बढ़ सकता है। रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट आपके टाइप टू डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है। अपनी डाइट में स्वास्थ्य कार्ब्स लें जैसे कि ब्राउन राइस, बकवीट, बाजरा और दलिया को शामिल करने का कोशिश करें। यह अनहेल्दी फूड्स के लिए आपकी क्रेविंग को अपने आप कम कर देगा।

सॉफ्ट ड्रिंक

कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक डाइट में अतिरिक्त चीनी और कैफीन के सबसे बड़े सोर्स में से एक है। इस अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के नियमित सेवन से मोटापा, डायबिटीज, मेटाबॉलिज्म सिंड्रोम और सूजन संबंधित बीमारियों सहित कई स्वास्थ्य समस्या हो सकती हैं। इन ड्रिंक को हर्बल चाय और नींबू पानी जैसे स्वस्थ विकल्पों के साथ बदलने की कोशिश करें।

प्रेग्नेंसी के दौरान भूलकर भी न करें इन चीजों का सेवन, बच्चे को हो सकता है नुकसान

प्रेग्नेंसी के दौरान आपको अपने खान-पान को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है। थोड़ी सी लापरवाही बच्चे के लिए भारी पड़ सकती है। प्रेग्नेंसी के दौरान खाने की कुछ चीजों की बिल्कुल मनाही होती है, जबकि कुछ चीजें को सीमित मात्रा में खाने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं उन चीजों के बारे में जिनको खाने से हो सकता है नुकसान।

ज्यादा मर्करी वाली मछली : मर्करी बहुत विषैला तत्व है और इसे सुरक्षित नहीं माना जाता है। यह दूषित पानी में पाया जाता है। मर्करी की ज्यादा मात्रा नर्वस सिस्टम, इम्यून सिस्टम और किडनी को खराब कर देती है। यहां तक कि इसकी थोड़ी सी मात्रा भी बच्चे के विकास पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है क्योंकि वे प्रदूषित महासागरों में रहते हैं, बड़ी समुद्री मछलियां बड़ी मात्रा में पारा जमा करती हैं। इसलिए, बड़ी समुद्री मछलियां मर्करी अधिक बड़ी मात्रा में जमा करती हैं। प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली महिलाओं को मर्करी वाली मछली नहीं खानी चाहिए। ज्यादा मर्करी वाली मछलियों में शार्क, किंग मैकरल, टूना, स्वोर्डफिश, मर्लिन और ऑरेंज रौफी आती हैं।

कच्चे अंडे का सेवन भूलकर न करें : कच्चे अंडे में सैल्मोनेला बैक्टीरिया पाया जाता है। इन्हें खाने से बुखार, मितली, उल्टी, पेट में ऐंठन और दस्त हो सकते हैं। कुछ मामलों में इस संक्रमण की वजह से गर्भाशय में ऐंठन हो सकती है, जिससे बच्चे का जन्म समय से पहले हो सकता है। कच्चे अंडे खाने वाले खाद्य पदार्थों में स्क्रैम्बल्ड एग और पोच्ड एग भी शामिल हैं। बाजार के कई प्रोडक्ट्स में कच्चे अंडे मिले होते हैं। खरीदने से पहले इनका लेबल पढ़ लें।

कैफीन का सेवन कम करें

ज़्यादातर लोगों को कॉफ़ी पीना अच्छा लगता है, लेकिन प्रेग्नेंट महिलाओं को बहुत कम मात्रा में कॉफ़ी पीने की सलाह दी जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, प्रेग्नेंट महिलाओं को रोजाना 200 मिलीग्राम से कम कैफीन का सेवन करना चाहिए। कैफीन शरीर में बहुत जल्दी घुल जाता है और प्लेसेंटा में प्रवेश कर जाता है। गर्भ में पल रहे मेटाबॉलिज्म एंजाइम नहीं होते हैं जो उसे नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान बहुत अधिक कैफीन का सेवन करने से बच्चे के वजन और विकास पर असर पड़ सकता है।

खुशी किसी बड़े काम से नहीं रोज के छोटे कामों से आती है

हम सभी चाहते हैं कि खुशी हमेशा जीवन का हिस्सा बनी रहे। इस लक्ष्य को पाने के लिए हम रोज सुबह उठते हैं और देर रात तक मेहनत करते हैं। ये सारी मेहनत इसलिए करते हैं ताकि खुश रह सकें, लेकिन फिर भी आप खुश नहीं रह पाते। अक्सर तनाव या डिप्रेशन का शिकार हो जाते हैं। इसलिए यह समझना जरूरी है कि खुशी किसी बड़े काम से नहीं, बल्कि रोज के दिन के छोटे-छोटे कामों से आती है। जैसे अपनी पसंदीदा डिश खाकर खुश होना या किसी पुराने दोस्त से मिलने पर खुश होना। चलिए आज जानते हैं कि रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे रहा जाए खुश।

दूसरों से तुलना न करें

खुश रहने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद की तुलना करना बंद कर दें। आजकल ज्यादातर लोगों अपनी चीजों की अहमियत नहीं समझते हैं और यहीं हमारी गलती का कारण बन जाता है। इसीलिए अगर आप खुश रहना चाहते हैं तो दूसरों से तुलना करना बंद कर दें। जिस दिन आप ये आदत अपना लेंगे आप जीवन में खुश रहने लगेंगे।

खुद के लिए समय निकालें

खुश रहने के लिए जरूरी है कि आप खुद के लिए थोड़ा समय निकालें, खुद के साथ समय बिताएं और खुद के बारे में सोचें। खुद के साथ समय बिताने से तनाव कम होता है। हालांकि आज की भाग-दौड़ की जिंदगी में हम इतने व्यस्त रहते हैं कि खुद के बारे में सोचने का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, लेकिन जब हम अकेले समय बिताते हैं, उस वक्त हम अपने बारे में चीजें बेहतर तरीके से प्लान कर सकते हैं।

तनाव से दूर रहें

जो लोग हमेशा खुश रहते हैं वे अपने दिमाग को अक्सर बहकाने की कोशिश करते हैं। जब उन्हें तनाव महसूस होता हैं तो उस स्थिति में भी खुद को सोचने और समझने की क्षमता देते हैं। अगर उनके अपने मन के मुताबिक काम नहीं होता तो वह हर काम समय पर छोड़ देते हैं।

नापसंद बातों को भूलना सीखें

खुश रहने के लिए जरूरी है कि आप दूसरों की कही गई बातों को भूल जाएं। कई लोग ऐसे होते हैं जो दूसरे की बात को दिमाग में रख कर उनके बारे में लगातार सोचते रहते हैं। ऐसे लोगों की अगर कोई बुराई करता है तो ये लोग उसके बारे में लगातार सोचकर खुद को तनाव देते हैं, लेकिन अगर आपको खुश रहना है तो आपको दूसरे की बातों को इग्नोर करना चाहिए।

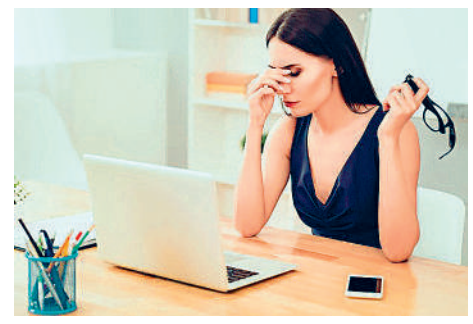

कार्नर न्यूज

थोड़ी सी गलतफहमी और गलतियां भी रिलेशनशिप को कर सकती हैं कमजोर

कपल्स रिलेशनशिप बेहद संवेदनशील, सही ढंग से चलाने रखें कुछ बातों का ध्यान

पार्टनर के साथ रिलेशनशिप को स्ट्रॉन्ग बनाए रखना बेहद चुनौतीभरी काम होता है। ये एक ऐसा रिश्ता होता है जो नाजुक धागे की तरह होता है। थोड़ी सी गलतफहमी और गलतियां भी इसे कमजोर कर सकती हैं। रिलेशनशिप में एक दूसरे पर विश्वास पक्का होना जरूरी है। साथ ही रिश्ते में गलतफहमियों की जगह नहीं होना चाहिए। आप अगर महसूस करते हैं कि पार्टनर के साथ आपके रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगी हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें। थोड़ी सी समझदारी से ही रिश्ते में पुरानी गर्माहट नजर आने लगेगी।

नियमित रूप से संवाद करें

अपनी भावनाओं, विचारों और चिंताओं को एक दूसरे के साथ साझा करें। एक दूसरे को ध्यान से सुनें और बिना रुके या टिप्पणी किए एक दूसरे को समझने की कोशिश करें। फ़ोन कॉल, वीडियो कॉल, टेक्स्ट मैसेज, या ईमेल के माध्यम से नियमित रूप से संपर्क में रहें। गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं और दूसरे के साथ खास समय बिताएं।

भरोसा और विश्वास बनाए रखें

एक दूसरे के साथ हमेशा ईमानदार रहें, भले ही यह मुश्किल हो। एक दूसरे पर भरोसा करें और एक दूसरे के प्रति वफादार रहें। गलतियों को क्षमा करें और आगे बढ़ें। नकारात्मक सोच और संदेह से बचें।

एक दूसरे के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाएं

अपनी भावनाओं को व्यक्त करें और अपने प्यार, स्नेह को व्यक्त करने के लिए शब्दों और कार्यों का उपयोग करें। फूल, चॉकलेट, या एक प्यारा संदेश जैसे छोटे-छोटे मैसेज भेजकर अपना प्यार जताएं।

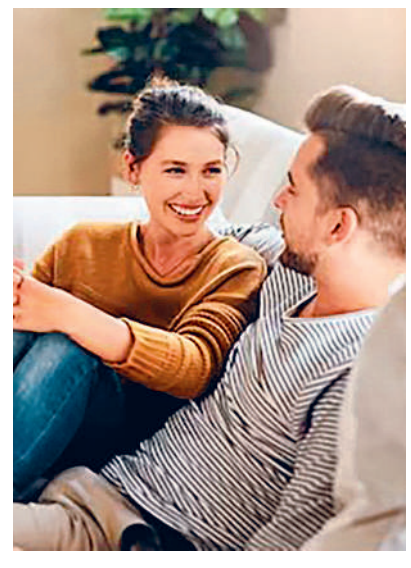

एक दूसरे के साथ धैर्य रखें

किसी भी बात को लेकर एग्रेसिव न हों। हर बार तो धैर्य रखकर सॉल्व करने की कोशिश करें। कई बार छोटी-छोटी बातें बहस का बड़ा विषय बन जाती हैं। इसे धैर्यपूर्वक निराकरण करने की कोशिश करें।

एक दूसरे के साथ एन्जॉय करें

आप अगर रिश्ते में मजबूती लाना चाहते हैं तो साथ में वक्त गुजारे। एक साथ एन्जॉय करें। पसंदीदा कॉमन गेम खेलें। एक दूसरे के साथ हंसी मजाक करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

एमा कोरिन-चार्ल्स जेवियर को देना चाहती हैं श्रद्धांजलि!

एंजिलिस। 'डेडपूल एंड वूल्वरिन' 26 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। प्रशंसक इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में एमा कोरिन, मोरेना बेचरिन, रॉब डेलाने, लेस्ली उगम्स, करन सोन और मैथ्यू मैकफेडन नजर आएंगे। हाल ही में रेयान रेनॉल्ड्स ने अपनी आगामी फिल्म 'डेडपूल एंड वुलवरिन' का एक नया टीजर और पोस्टर साझा किया था, जिसके बाद से इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता देखी जा रही है। एमा ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, 'मैंने उन दोनों का अभिनय फिर से देखा। मुझे ऐसा करने में पहले काफी झिझक महसूस हो रही थी क्योंकि मैं सोच रही थी, 'क्या मैं उस किरदार के उतना करीब जा पाऊंगी। क्या मैं अभी भी इसे अपना बना पाऊंगी' लेकिन मुझे यह वाकई दिलचस्प लगा कि उन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति को कैसे चित्रित किया जिसकी शक्ति उस टेलीपैथिक दुनिया में बहुत अलग है। मैं देखना चाहती थी कि क्या कोई ऐसा हिस्सा है जिसका मैं प्रयोग कर सकती हूं या उसे श्रद्धांजलि दे सकती हूं। प्रशंसकों को यह बहुत पसंद आएगा।' बता दें स्टीवर्ट ने 2000 की 'एक्स-मैन' में टेलीपैथी चार्ल्स "प्रोफेसर एक्स" जेवियर की भूमिका निभाई थी, इससे पहले मैकएवॉय ने 2011 की रीबूट 'एक्स-मेनः फर्स्ट क्लास' में एक युवा संस्करण निभाया था।

टॉलीवुड

रवि तेजा की 'मिस्टर बच्चन' में कैमियो करेगा सिद्धू जोनालागड्डा

मुंबई। दक्षिण भारतीय अभिनेता रवि तेजा की नई फिल्म 'मिस्टर बच्चन' के सिनेमाघरों में दस्तक देने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। तेजा के प्रशंसक इसे देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है, क्योंकि फिल्म के ट्रेलर ने उनकी उत्सुकता को बढ़ा रखा है और जैसा कि आजकल बड़े अभिनेताओं की फिल्मों में कोई न कोई कैमियो देखने को मिलता है तो ऐसे में लगता है कि 'मिस्टर बच्चन' भी पीछे नहीं रहने वाली है। फिल्म को लेकर एक ताजा अपडेट आया है, जो कैमियो से ही जुड़ा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'मिस्टर बच्चन' में सिद्धू जोनालागड्डा कैमियो करते हुए दिखाई देंगे। उनकी पिछली फिल्म 'टिल्लू स्क्वायर' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। हालांकि, इसे लेकर अभी निर्माताओं की ओर से आधिकारिक घोषणा का होना बाकी है, लेकिन खबर है कि सिद्धू के सीन की शूटिंग इसी हफ्ते में होगी। 'मिस्टर बच्चन' को लेकर पिछला अपडेट इसकी रिलीज की तारीख को लेकर आया था। यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में उतारी जाएगी। निर्माताओं की ओर से इस तारीख का एलान बड़े ही खास अंदाज में किया गया था। पीपल मीडिया फैक्ट्री ने तारीख की घोषणा करते हुए लिखा था कि वक्त पे पहुंचने का अपना पुराना आदत है। 'मिस्टर बच्चन' 15 अगस्त को दुनिया भर में रिलीज होगी।

भोजपुरी

'घर की मालकिन' का ट्रेलर रिलीज, जेठानी ने डाली फूट

नई दिल्ली। नई भोजपुरी फिल्म 'घर की मालकिन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें समाज की उस हकीकत को दिखाया गया है, जो छिपी होती हैं। ये फिल्म आपके दिलों को छू जाएगी। इसमें अंजना सिंह और शुभी शर्मा लीड रोल में हैं। इनके अलावा सितारों की फौज है। पढ़ें पूरी रिपोर्ट। भोजपुरी सिनेमा की 'टीआरपी क्वीन' अंजना सिंह और फेमस एक्ट्रेस शुभी शर्मा की महिला प्रधान फिल्म 'घर की मालकिन' का धांसू ट्रेलर आउट हो गया है। ट्रेलर वीफोरयू भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से जारी हुआ है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। नीलाभ तिवारी फिल्म्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड के साथ आईवीवाई एंटरटेनमेंट प्रस्तुत इस फिल्म के निर्माता संदीप सिंह व नीलाभ तिवारी हैं, जबकि निर्देशक राज किशोर प्रसाद (राजू) हैं। फिल्म एक पारिवारिक और सामाजिक कहानी पर आधारित है, जिसमें अंजना सिंह और शुभी शर्मा हैं। ट्रेलर में उनकी दमदार अदाकारी और जबरदस्त स्क्रीन प्रजेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म के ट्रेलर की लेंथ 4 मिनट 11 सेकेण्ड है। ट्रेलर में दिखाए गए दृश्यों में पारिवारिक रिश्तों, संघर्षों और सामाजिक मुद्दों को बखूबी पेश किया गया है। फिल्म में अंजना सिंह और शुभी शर्मा के किरदारों को मजबूती और आत्मविश्वास के साथ दर्शाया गया है, जो दर्शकों को पूरी फिल्म देखने के लिए प्रेरित कर रहा है।

सावन का महीना शुरू हो चुका है। हिन्दू धर्म में सावन महीने का बहुत ही महत्व है। इस दौरान ज्यादातर महिलाएं हरे रंग के कपड़े पहनना पसंद करती हैं। क्या आप भी हरे रंग के ऑउटफिट को पहनना चाहती हैं तो ट्रेंडी हरे रंग की साड़ी और कुर्ता सेट आजकल बहुत ट्रेंड में है। इनको आप सावन महीने के दौरान पड़ने वाले सावन सोमवारऔर हरियाली तीज या फिर ग्रीन थीम पर होने वाले सखियों के फंक्शन में भी पहनकर अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं और ग्रीन क्वीन बन सकती हैं।

क्या आप भी करना चाहती हैं कुछ यूनिक हेयरस्टाइल, तो यहां देखें कुछ बेहतरीन लुक्स

ऑफिस हो या कॉलेज, लड़कियां हर जगह के लिए अपने आउटफिट अलग रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि आपके आउटफिट आपके स्टाइल को दर्शाते हैं और उनके साथ बनाया गया हेयरस्टाइल भी आपके रूप को निखारता है। आउटफिट के हिसाब से किया गया हेयर स्टाइल आपके लुक को कंप्लीट करने में मदद करता है। अक्सर लड़कियों को यह नहीं पता होता कि उनके कपड़े पर कौन सा हेयरस्टाइल सूट करेगा, जिस वजह से वो कैसे भी बाल बनाकर चली जाती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ सिंपल हेयरस्टाइल के बारे में बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने कॉलेज या ऑफिस लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

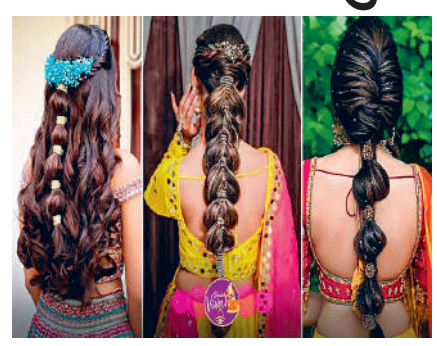

फ्रंट हेयर ब्रेड स्टाइल

फ्रंट हेयर ब्रेड हेयरस्टाइल बेहद खूबसूरत दिखता है। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। आपको बस एक कंघी, एक बॉबी पिन और एक हेयर बैंड की जरूरत पड़ेगी। हेयरस्टाइल बनाने के लिए सबसे पहले बालों में कंघी करें। फिर साइड से चोटी हटाकर एक चोटी बना लें या बाल खुले भी रख सकते हैं। फिर इसे पिन की मदद से पीछे से जोड़ दें। इसके बाद अपने बालों में हेयर स्प्रे कर लें इससे आपके बाल बिलकुल सेट रहेंगे।

बन हेयर स्टाइल

यह हेयरस्टाइल ज्यादातर महिलाओं की पहली पसंद है। अगर आप अपने सलवार सूट को मॉडर्न टच देना चाहती हैं तो इस हेयरस्टाइल को बनाएं। आपको अपने बालों में बन के मदद से जूड़ा बांधना है। बाद में बालों में हेयर स्प्रे कर लें।

ओपन ट्विस्टिंग हेयर स्टाइल

अगर आप अपने बालों को खुला रखना चाहती हैं तो कुछ ही मिनटों में इस तरह का हेयरस्टाइल कर सकती हैं। ऐसा करने के लिए केवल आपको बालों की एक लेयर की ट्विस्टिंग करनी होगी और उसे पिन-अप करना होगा। बचे हुए बालों की लेंथ को आप कर्ल कर लें।

बांधनी का ट्रेंड है हिट एंड फिट, इससे आप भी निखारें अपना फैशन सेंस

बांधनी पहनावा हमेशा से ही लोकप्रिय रहा है, चाहे इसे त्यौहारों के मौसम में पहना जाए या फिर शादी के खास अवसर पर। बांधनी ट्रेडिशनल हैंडीक्राफ्ट टेक्निक है जिसमें कपड़ों को अलग-अलग तरीकों से बांधकर और फिर रंगों में डुबोकर कई तरह के पैटर्न्स और डिज़ाइन्स तैयार किए जाते हैं। यह एक ऐसा ट्रेंड है जो हर उम्र के लोगों पर अच्छा लगता है। इन दिनों बांधनी साड़ी और कुर्तों से लेकर फ्यूज़न सेट्स और ड्रेसेज़ तक इस ट्रेंड को अपने फैशन का हिस्सा बनाया जा रहा है।

रंग का महत्व : बांधनी में आमतौर पर प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाता है, जैसे- पीला, लाल, नीला, हरा और काला। हर रंग का अपना-अपना महत्व होता है। उदाहरण के लिए जैसे लाल दुल्हन के लिए सौभाग्य का प्रतीक है और पीला वसंत के समय और खुशी का प्रतीक है।

कस्टम मेड वाइब्रेंट लहंगा : अपनी शादी के लिए दुल्हन इस तरह कस्टम मेड वाइब्रेंट बांधनी लहंगा ट्राई कर सकती हैं। इस प्रिंट में रंगों का खास रोल होता है। इस पिंक लहंगे के साथ ऑरेंज कलर का ब्लाउज इसकी खूबसूरती को निखारने का काम कर रहा था। इस तरह के हैवी वर्क लहंगे के साथ दुपट्टे को खूबसूरती से स्टाइल कर दुल्हन अपने लुक को रॉयल बनाने का काम कर सकती है।

ऑलोवर बांधनी प्रिंट सूट : अगर आप भी अपने वॉर्डरोब में बंधनी शामिल करना चाहती हैं तो ऑलोवर प्रिंट वाला पलाज़ो सूट पहन सकती हैं। इसे मेहंदी से लेकर पूजा तक कई मौकों पर पहना जा सकता है, जो आपको शानदार फेस्टिव लुक देंगे।

वेस्टर्न आउटफिट्स का भी है चलन : अब सिर्फ साड़ी और सूट में नहीं बांधनी अब वेस्टर्न आउटफिट्स में भी काफी पॉपुलर हो रहा है। आप चाहें तो इस तरह की जंपसूट भी अपने वार्डरॉब में शामिल कर सकती हैं। मार्केट में बांधनी प्रिंट के श्रग भी आसानी से मिल जाते हैं जिसे प्लेन टॉप के साथ कैरी किया जा सकता है।

पारंपरिक बांधनी साड़ी : शादी-फेस्टिवल में आज भी ट्रेडिशनल प्रिंट वाली साड़ियों का ट्रेंड हिट एंड फिट है। अगर आप किसी शादी में अपने ट्रेडिशनल लुक से वाहवाही लूटना चाहती हैं तो पारंपरिक बांधनी साड़ी से बढ़कर कुछ नहीं है। सीधे पल्ले में इस साड़ी का ग्रेस और ज्यादा बढ़ जाता है। साड़ी पर बांधनी वर्क गुजराती कल्चर को बखूबी दर्शाता है। इसके साथ गहने और हेयरस्टाइल का भी खास ख्याल रखें, तभी आपकी खूबसूरती पूरी तरह से निखर कर आएगी।

बांधनी दुपट्टे हैं पहली पसंद : बांधनी दुपट्टे की तो बात ही निराली है। लड़कियां प्लेन सूट के साथ इस तरह के दुपट्टे कैरी करना बहुत पसंद करती हैं जिसे जयपुरी दुपट्टे भी कहा जाता है।

हर ड्रेस और हर उम्र की महिलाओं पर खूब जंचते हैं आर्टिफिशियल नेकलेस और पेंडेंट

हल्के और आकर्षक चेन और पेंडेंट ने भारी गहनों के चलन को पीछे छोड़ दिया है। नए डिजाइन वाले पेंडेंट किसी भी ड्रेस के साथ और किसी भी उम्र की महिलाएं पहन सकती हैं। आजकल फैशन में कई तरह के नेकलेस और पेंडेंट मौजूद हैं। ये अलग-अलग आउटफिट के लिए अलग-अलग डिजाइन में उपलब्ध हैं। इन हल्के पेंडेंट को आप अपनी पसंद के कपड़ों के साथ पहनकर खूबसूरत दिख सकती हैं। खास बात यह है कि इन नेकलेस और पेंडेंट को हर उम्र की महिलाएं, चाहे वे गृहिणी हों, प्रोफेशनल हों या कॉलेज स्टूडेंट, अपनी इच्छानुसार पहन सकती हैं। ये अन्य गहनों की तुलना में बहुत हल्के होते हैं, इसलिए आप इन्हें सूट, साड़ी, लहंगा और डेनिम टॉप जैसे हर तरह के कपड़े के साथ पहन सकती हैं।

रॉयल व ट्रेंडी लुक के लिए पर्ल ज्वेलरी

पर्ल ज्वेलरी का फैशन भी काफी सालों से चला आ रहा है। यह आपको रॉयल और ट्रेंडी लुक देता है। अक्सर बाजार में आपको पर्ल ज्वेलरी के कई डिजाइन देखने को मिल जाएंगे। त्योहारों के दौरान आप ट्रेडिशनल रानी हार, जोधा हार के साथ लहंगा पहन सकते हैं। साड़ी और हैवी सूट के साथ चोकर हार पहनकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। पर्ल ज्वेलरी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे आप ट्रेडिशनल और वेस्टर्न दोनों तरह की ड्रेस के साथ कैरी सकते हैं, जो देखने में काफी क्लासी लगते हैं।

चांद बालियां ईयररिंग

अगर आप हैवी ज्वेलरी नहीं पहनना चाहते हैं तो चांद बालियां ईयररिंग पहन सकती हैं। चांद बालियां इयररिंग्स का फैशन काफी समय से चला आ रहा है। बीते कुछ साल में इसमें कई नए प्रयोग और ट्रेंड देखने को मिले हैं। इस साल भी चांद ईयररिंग्स के लेटेस्ट डिजाइन पूरी तरह से ट्रेंड में हैं। इस बार, चांद की बालियों में और भी अधिक डिजाइनर लुक हैं।

पार्टी या फंक्शन के लिए खुद दें अपने नाखूनों को डिजाइन, नहीं पड़ेगी पार्लर जाने की जरूरत

ऐसी कई चीजें हैं जो ओवरऑल लुक को परफेक्ट बनाने में मदद करती हैं इन्हीं में से एक हैं आपके नाखून, जिनकी खूबसूरती आपके कपड़ों, मेकअप और हेयरस्टाइल में चार चांद लगाती है। इन नाखूनों को खूबसूरत बनाने के लिए मैनीक्योर और पेडीक्योर जैसे ट्रीटमेंट लेने पड़ते हैं, लेकिन आजकल नेल आर्ट काफी चलन में है जो हमारे आउटफिट को कम्प्लीट करने के साथ-साथ उसे एक यूनिक टच भी दे सकता है।

लेपर्ड प्रिंट नेल आर्ट : अगर आपको लेपर्ड प्रिंट के आउटफिट्स पसंद हैं तो लेपर्ड प्रिंट नेल आर्ट करवा सकते हैं, जो कि आपको काफी पसंद आएगा। बस अपने नेल्स पर ब्लैक नेल पॉलिश से आड़े-टेढ़े डिजाइन बनाएं और लेपर्ड प्रिंट का नेल आर्ट तैयार हो जाएगा।

डबल शेड नेल आर्ट : इन दिनों डबल शेड नेल आर्ट काफी पसंद किया जा रहा है। ऐसे में आप अगर किसी पार्टी में जाने वाले हैं तो वाइट और रेड का थीम रख के डबल शेड नेल आर्ट बना सकते हैं। इसे करने के लिए नाखूनों के दो कलर में सैड बनाया जाता है। आप अपनी पसंद के अनुसार के पेंट का कलर भी चूज कर सकते हैं।

स्टोन वर्क नेल आर्ट : पार्टी के लिए स्टोन नेल आर्ट परफेक्ट ऑप्शन है। यह नेल आर्ट हर आउटफिट के साथ मैच करेगा। इस नेल आर्ट को बनाने के लिए आपको पहले नेल पेंट अप्लाई करना होगा। उसके बाद आप नेल्स के ऊपर स्टोन या मोती लगाकर इस आर्ट को क्रिएट कर सकते हैं।

ग्लिटर नेल आर्ट : अगर शादी में जाने के लिए आप ये नेल आर्ट करा रहीं है तो ग्लिटर नेल आर्ट बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। ये नेल आर्ट बनने के बाद बहुत खूबसूरत लगती है। ये आपकी खूबसूरती में चार चाँद लगा देगा।

आप इस तरह की डिजाइन के लिए नेल स्टीकर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कार्नर न्यूज

महिलाओं व युवतियों को सजना-संवरना काफी अच्छा लगता है

सावन में ट्राई करें चुनिंदा डिजाइन वाली हरे रंग की साड़ियां, दिखेंगी सबसे सुंदर, अप्सरा जैसा आएगा लुक

सावन के महीने में हरे कपड़े पहनना बहुत शुभ माना जाता है। इसका कारण है कि मानसून आने के बाद पूरी प्रकृति हरी-भरी हो जाती है। हर प्राणी में एक उमंग रहती है और वह सावन के मौसम को दिलखुश अंदाज में जीना चाहता है। सावन का महीना युवतियों और महिलाओं के लिए सबसे खास कहलाता है। सावन महीने से त्यौहारों की शुरूआत भी हो जाती है। इस समय महिलाओं व युवतियों को सजना-संवरना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में महिलाएं हरी साड़ी के लेटेस्ट डिजाइन की खरीदारी करती हैं। हरी साड़ी के कुछ लेटेस्ट डिजाइन ऐसे हैं जिन्हें पहनकर आप किसी अप्सरा से कम नहीं लगेंगी।

बांधनी साड़ी करें ट्राई

अगर आपको हल्के मटेरियल में साड़ी पहनना अच्छा लगता है, तो आप इस सावन बांधनी साड़ी ट्राई कर सकते हैं। जो आपको पूरा राजस्थानी लुक देगी। इस साड़ी के साथ आप अगर ट्रेडिशनल ज्वेलरी को स्टाइल करेंगी, तो आप और ज्यादा खूबसूरत लगेंगी। यह साड़ी देखने में जितनी खूबसूरत लगती है, पहनने में भी इतनी कंफर्टेबल और हल्की रहती है। इस प्रकार की साड़ी की कीमत 350 से शुरू होती है।

नई दुल्हनें पहनें बनारसी साड़ी

वहीं, अगर किसी नई नवेली दुल्हन कोई सावन हरी साड़ी पहनी है, तो वह बनारसी साड़ी ट्राई कर सकती है। जो देखने में रॉयल और एलिगेंट लुक देगा। बनारसी साड़ियों के साथ सीक्वेंस से लेकर कॉटन तक के ब्लाउज बढ़िया लगेंगे। अगर आपको बनारसी साड़ियों की खरीदारी करनी है, तो यह आपको 3000 से लेकर 5000 तक में अच्छी साड़ी मिल जाएगी।

ऑर्गेंजा पैटर्न वाली साड़ियां

इस साल आप सावन में ऑर्गेंजा पैटर्न वाली साड़ियां भी ट्राई कर सकती हैं। इस प्रकार की साड़ी काफी ट्रेंड में चल रही है, इसीलिए ऑर्गेंजा पैटर्न वाली साड़ी कोई बॉलीवुड हसीनाएं भी पहनते हुए नजर आ चुकी हैं। वहीं इस प्रकार की साड़ी यंग गर्ल्स पर भी खूब अच्छी लगेंगी। ऐसी साड़ियों की कीमत 1200 से शुरू है।

रफल स्टाइल साड़ियां कमाल की

सावन मानसून के मौसम में पड़ता है, जहां चिपचिपी वाली गर्मी पड़ती है। इस वजह से जो घरेलू महिलाएं हैं उनके लिए रफल स्टाइल की ये साड़ियां बेहतरीन चॉइस हैं। स्टाइलिश लुक वाली ये साड़ी दिखने में तो कमाल की हैं ही इन्हें पहनना भी बहुत आसान होता है। व आपको इस प्रकार की साड़ी की कीमत 1000 रुपए से शुरू है।

हैवी लुक वाली ब्रासो ग्रीन साड़ी

अगर आप सिंपल में हैवी लुक वाली साड़ी ट्राई करना चाहती हैं, तो इस साल सावन में ब्रासो ग्रीन साड़ी आपके लिए अच्छा ऑप्शन होगा। ये साड़ी दिखने में काफी खूबसूरत होती है। इसमें होने वाला गोटा वर्क इसको हैवी लुक देता है। इस साड़ी की सबसे खास बातें है कि आप इसे किसी भी फंक्शन में पहन सकती हैं। साड़ी में कई तरह के डिजाइन आपको मिल जाएंगी।